वैशाख कृष्ण पक्ष नवमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 294 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
22 अप्रैल 2025
मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
39 अधिकतम
23 न्यूनतम

Page-7

आखिरकार.. सोने ने छुआ 'अनचाहा' नया शिखर!

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय घरों में सोने की क्या अहमियत है, इसे बताने की जरूरत नहीं हैं लेकिन सोना बीते एक दशक से जिस तरह से आम घरों की पहुंच से बाहर हो रहा है वह भी किसी से छिपी नहीं हैं। आज जैसी आशंका थी, वही हुआ और सोने की बाजार में कीमत प्रति तोला एक लाख रूपए से पार हो गई। सोने के इस भाव को लेकर बीते कई महीने से आशंका जताई ही जा रही थी, हालांकि आज करीब 14सौ रूपये प्रतिग्राम के इजाफे के बाद इसकी खरीद पर लगने वाले जीएसटी समेत यह एक लाख के पार हुआ है। अभी इसके दाम और बढने की आशंकाएं खत्म नहीं हुई हैं। भारतीयों के लिये यह पहली बार है जब सोने की कीमत इस स्तर पर पहुंची है। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्टपति शी जिनपिंग के बीच जबर्दस्त तनाव के कारण सोने के अस्सी

नब्बे के बीच झूलते झूलते अब इस कदर बढे हैं।

खबरों के मुताबिक अब अंतर्राष्टीय बाजार में सोने की कीमत 3,430 डॉलर प्रति औंस हो गई। यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। दिल्ली के ऑल बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के चेयरमैन योगेश सिंघल का कहना है कि बीती शाम से ही दिल्ली के बाजार में जीएसटी के साथ सोना प्रति 10 ग्राम एक लाख रुपये से ज्यादा में बिकने लगा। आज मंगलवार को एमसीएक्स पर भी सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। जून वायदा के लिए यह 98 हजार के आंकड़े को पार कर गई है। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल के वाइस-चेयरमैन अविनाश गुप्ता के मुताबिक जनवरी 2025 से सोने की कीमत में 30त्न की वृद्धि हुई है। 8 अप्रैल, 2025 को सोने की कीमत 2982 डॉलर थी, जो सबसे कम थी। तब से अब तक 14.5त्न की तेजी आई है।

इस तरह एक लाख पार

कल दिल्ली में सोने का भाव 1650 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़ा था। इससे अब सोना 99,800 रुपये प्रति 10 ग्राम का हो गया। सोना खरीदने पर 3 फीसदी जीएसटी देना होता है। 99,800 रुपये का 3 फीसदी 2994 रुपये होता है। इस प्रकार 10 ग्राम सोने की कीमत 1,02,794 रुपये हो जाती है। यानी अगर कोई 10 ग्राम यानि एक तौला सोना खरीदता है तो एक लाख रुपये से ज्यादा की रकम खर्च करनी होगी। MCX पर भी सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम 98 हजार रुपये पार हो गई है। सुबह ही इसकी कीमत में उछाल आ गया। कल 97,279 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद होने के बाद आज यह 1,474 रुपये की तेजी के साथ अर्थात 98,753 रुपये पर खुला। इसके बाद इसमें तेजी आती गई। सुबह साढे दस के आसपास ही यह 98,965 रुपये पर कारोबार कर रहा था। जीएसटी समेत एक लाख से काफी आगे निकल चुका है।

बाजार की अजब चाल, कभी ग्रीन कभी 'रेड'

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार की चाल आज मंगलवार को भी बदली नजर आई। अमेरिकी शेयर बाजारों में गिरावट का असर सेंसेक्स-निफ्टी पर भी दिखा और दोनों इंडेक्स मामूली बढ़त के साथ ग्रीन जोन में ओपन हुए, लेकिन अगले ही पल गिरावट के साथ कारोबार करने लगे।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 79,728 के लेवल पर खुला और मिनटों में ये गिरकर 79,284 के लेवल पर आ गया। वहीं निफ्टी भी तेजी के साथ 24,185 पर खुला और फिर फिसलकर 24, 072 तक आ गया। फिर घंटे भर के कारोबार के बाद एक बार फिर दोनों इंडेक्स ने रफ्तार पकड़ ली। बता दें ट्रंप के फेड रिजर्व प्रमुख पर दिए बयान के बाद यूएस मार्केट बिखरे थे और इसके चलते शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स-निफ्टी भी फिसले थे।

मुख्यमंत्री ने दिए संकेत, तबादला नीति हो रही तैयार, महीने भर चल सकता है 'त्योहार'

सरकारी कर्मचारियों के बहुप्रतीक्षित तबादलों से बैन के बादल जल्द छटेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र के सरकारी कर्मचारियों का तबादला नीति इंतजार अभी और लंबा खिंचने वाला है। सरकार ने पिछले साल के अंत में कुछ विशेष मामलों में तबादलों की छूट दी जरूर थी लेकिन सीमित अवधि के चलते कई कर्मचारी ट्रांसफर से वंचित रह गए और अब तक कसमसा रहे हैं। अब सीएम मोहन यादव ने तबादला नीति को लेकर कहा

है कि ट्रांसफर पालिसी जल्दी ही आएगी, कोशिश रहेगी कि अगली कैबिनेट बैठक तक यह पालिसी आ जाए। यह बात आज सीएम ने कैबिनेट बैठक के पहले कही। उल्लेखनीय है कि पिछली बार भी ट्रांसफर पॉलिसी जारी नहीं की गई थी। अब सरकार समय पर यह काम करने की दिशा में नजर आ रही है। सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री शैक्षणिक सत्र के बीच में तबादले आदि के पक्ष में नहीं हैं। इसी तरह दूसरे विभागों के कर्मचारियों के तबादले भी यदि वर्ष के बीच में होते हैं, तो उनके बच्चों को स्कूल शिफ्ट करने में परेशानी होती है। बच्चों के चक्कर में कर्मचारी और परिवार शिक्षा सत्र खत्म होने तक दूर रहते हैं। लिहाजा अब गर्मी की छुट्टी और सालाना परंपरा की तरह इस वर्ष की तबादला नीति लाने के लिये सामान्य प्रशासन विभाग से कह दिया गया है। विभाग इसके लिये तैयारी किये बैठा है। अब जरूरी फेरबदल के साथ इसे लाया जाएगा। माना जाता है कि मई के पहले सप्ताह से तबादले शुरु होंगे। लेकिन इसके पहले मंत्रियों की राय जानकर कैबिनेट में मंजूरी दी जाएगी।

इधर आज कैबिनेट बैठक में कुछ महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार चल रहा है। मंत्रालय में सीएम की अध्यक्षता में बैठक में इंदौर में 27 अप्रैल को होने वाली आईटी कॉन्क्लेव पर चर्चा की जा रही है। माना जा रहा है कि कान्क्लेव के पहले कुछ नीतियां जारी करने को मंजूरी दी जा सकती है। वहीं मप्र के टाइगर रिजर्व के बफर जोन के मामले पर भी चर्चा का प्रस्ताव है। इसके लिए वन विभाग ने प्रस्ताव बनाया है। साथ ही पुलिस की डायल 100 सेवा के सुदृढ़ीकरण का भी खाका तैयार हो रहा है लंबे समय से इसकी मांग उठ रही है। इसी तरह मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के नियमों का और सरलीकरण, शिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम विभाग की उद्यम क्रांति योजना के तहत स्वयं का उद्योग व्यवसाय स्थापित करने हेतु बैंकों के माध्यम से कम ब्याज दर पर कोलेटरल फ्री लोन उपलब्ध कराने पर भी चर्चा के आसार हैं। यह सीमा 50 हजार से 50 लाख रुपये तक की हो सकती है।

मंत्री की सिफारिश स्वीकृति अहम

मप्र की तबादला नीति में मंत्रियों को उनके अधीन विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के स्थानांतरण का अधिकार सौंपा जा सकता है। जिले की सीमा के भीतर होने वाले ट्रांसफर संबंधित जिले के प्रभारी मंत्री की स्वीकृति से किए जाएंगे। जब किसी कर्मचारी का स्थानांतरण एक जिले से दूसरे जिले में किया जाना हो, तो वह विभागीय मंत्री की अनुशंसा पर आधारित होगा। ऐसे अधिकारी-कर्मचारी जो किसी एक स्थान पर तीन वर्षों से अधिक समय से पदस्थ हैं, उनका ट्रांसफर सुनिश्चित किया जाएगा, और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें किसी अन्य जिले में भी भेजा जा सकता है। किसी भी विभाग में एक बार में कुल कर्मचारियों की संख्या के अधिकतम 10 प्रतिशत तक ही तबादले किए जा सकेंगे। अंदरखाने लंबे समय से कई मंत्री लगातार तबादलों की जरूरत बता रहे हैं। एक मई से तबादलों से बैन हट सकता है।

पहली बार पिघले पुतिन, युध्द रोकने जेलेंस्की को नया ऑफर

मास्को, एजेंसी

रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन ने युद्ध के शुरुआती दिनों के बाद पहली बार यूक्रेन के साथ शांति वार्ता का प्रस्ताव रखा है। इससे पहले पुतिन ने इस्टर के मौके पर एक दिन के एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की थी। अब उन्होंने दूसरी बार युद्ध रोकने का ऑफर दिया है। यूक्रेन के राष्टपति जेलेंस्की ने ऑफर पर पॉजिटिव जवाब दिया है। उन्होंने रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो संदेश में इस पर जोर दिया कि यूक्रेन युद्ध विराम के बारे में ÷किसी भी बातचीत के लिए तैयार है÷ जो नागरिकों पर हमलों को रोकने की दिशा में सकारात्मक पहल हो. पुतिन और जेलेंस्की दोनों पर ही बातचीत की टेबल पर आने के लिए अमेरिका का दबाव है। राष्टपति ट्रंप ने कहा है कि अगर दोनों देश शांति उपायों पर आगे नहीं बढ़ते हैं तो अमेरिका इस कोशिश से ही बाहर हो जाएगा। लिहाजा अब रूस और यूक्रेन ने कहा है कि वे पिछले सप्ताह के अंत में मास्को द्वारा घोषित 30 घंटे के ईस्टर युद्धविराम के बाद आगे भी सीजफायर के लिए तैयार हैं। हालांकि दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर इसका उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन बुधवार को लंदन में अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ वार्ता में भाग लेगा। यह चर्चा पिछले सप्ताह पेरिस में हुई बैठक के बाद की कड़ी है। उधर पुतिन ने रूसी सरकारी टीवी रिपोर्टर से मास्को किसी भी शांति पहल के लिए खुला है।

वायुसेना अफसर का दावा झूठा!

बेंगलुरु, एजेंसी

गत दिवस वायुसेना अधिकारी और उनकी अफसर पत्नी से मारपीट के मामले में नया सीसीटीवी फुटेज सामने आने से नया मोड आया है। फुटेज से साफ है कि विंग कमांडर की ओर से भी मारपीट की गई थी। इसमें विंग कमांडर को पहले मारपीट की शुरुआत करते और युवक को सड़क पर धकेलते और लात मारते देखा जा सकता है। फुटेज के मुताबिक, डीआरडीओ कॉलोनी से एयरपोर्ट जा रहे विंग कमांडर शिलादित्य बोस और उनकी पत्नी स्क्वॉड्रन लीडर मधुमिता, युवक के पास पहुंचे। इसके बाद झगड़ा बढ़ा और हाथापाई शुरू हो गई। वीडियो में मधुमिता भी युवक से बहस करती दिखीं। जबकि कल विंग कमांडर बोस ने एक वीडियो जारी किया था, इस वीडियो में उन्होंने दावा किया था कि मुझ पर और पत्नी पर सुबह कुछ लोगों ने हमला कर दिया था। मेरे साथ मारपीट के अलावा गाली-गलौज भी की गई।

पीएम मोदी की क्राउन प्रिंस से मुलाकात, कई समझौते भी होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी।. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से दो दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब में हैं। वे वहां 23 अप्रैल तक रहेंगे। मोदी को इस यात्रा का न्योता क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने दिया है। 2016 और 2019 के बाद पीएम मोदी की ये सऊदी अरब की तीसरी यात्रा है। वे दोपहर में जेद्दा पहुंचेंगे। खास बात यह कि जेद्दा की किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 40 वर्षों में पहली यात्रा है। आज भारत और सऊदी अरब कम से कम छह सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर होंगे। इनमें अंतरिक्ष, ऊर्जा, स्वास्थ्य, विज्ञान और वैज्ञानिक अनुसंधान, संस्कृति और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र शामिल हैं। मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद के साथ बैठक में हज से संबंधित मुद्दों, विशेष रूप से भारतीय तीर्थयात्रियों के कोटे को लेकर चर्चा करेंगे।

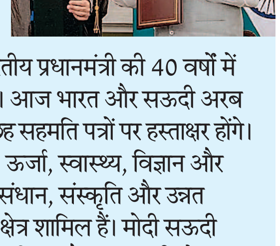

हत्या में कई खुलासे, पत्नी-बेटी गिरफ्तार

गर्दन काटने के तरीके सर्च कर रही थी पूर्व डीजीपी की पत्नी

बेंगलुरू. एजेंसी

बिहार से ताल्लुक रखने वाले कर्नाटक के 1981 बैच के आईपीएस वे पूर्व डीजीपी ओमप्रकाश की हत्या में उनकी पत्नी के साथ बेटी के भी शामिल होने की बात सामने आ रही है। उनका शव रविवार को बेंगलुरु के पॉश इलाके में उनके तीन मंजिला घर के ग्राउंड फ्लोर पर मिला था। पुलिस ने उनके बेटे कार्तिकेश की शिकायत पर उनकी पत्नी पल्लवी को गिरफ्तार किया है। जिस वक्त ओमप्रकाश की हत्या की गई थी, उस वक्त वह डाइनिंग टेबल पर मछली खा रहे थे तभी पत्नी ने मिर्च का पाउडर उनपर फेंका और चाकुओं से वार से उनकी हत्या कर दी। वह कई दिनों से फोन पर गर्दन काटने के तरीकों को सर्च कर रही थी। पुलिस ने पल्लवी को 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जब पल्लवी को घटनास्थल पर ले जाया गया तो जांच अधिकारियों से उसने कहा कि वह घरेलू हिंसा से तंग थी। हत्या के बाद उसने अपने दोस्त को वीडियो कॉल करके कहा, मैंने राक्षस को मार दिया है। वहीं, बेटे कार्तिकेश ने आरोप लगाया कि उसकी मां पल्लवी पिछले एक सप्ताह से पिता को जान से मारने की धमकी दे रही थी लिहाजा पिता अपनी बहन के घर रहने चले गए थे। मगर कार्तिकेश की छोटी बहन कृति ने पिता पर घर लौटने का दबाव बनाया और मर्जी के खिलाफ वापस ले आई उन्होंने कहा कि मां पल्लवी और बहन कृति अक्सर मेरे पिता से झगड़ती थीं।

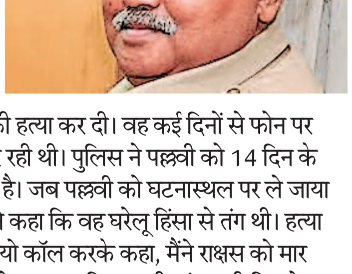

राजस्थान का राजसी वैभव देखने पहुंचा वेंस का परिवार

जयपुर. एजेंसी

अमेरिकी उपराष्टपति जेडी वेंस ने आज परिवार समेत जयपुर का आमेर किला देखा। यहां दो हाथियों ने विदेशी मेहमान का स्वागत किया। मनोरंजन के लिए राजस्थानी कलाकारों ने डांस किया। इसके बाद वेंस परिवार के साथ महल के अंदर दाखिल हुए। छत पर बेटी को गोद में लेकर वेंस ने फोर्ट को चारों तरफ से दिखाया। पूरा किला देखने के बाद सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे वेंस सपरिवार आमेर फोर्ट से जयपुर के होटल रामबाग पैलेस लौट गए। आमेर महल में वेंस का औपचारिक स्वागत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी पत्नी उषा वेंस का वेलकम उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया।

6 सदस्यीय दल इनकी निगरानी में जुटा

नए घर में शिकार से दूर दोनों चीते, सिर्फ प्यास बुझा रहे

मंदसौर. एजेंसी

कूनो से नए आशियाने गांधीसागर अभयारण्य में शिफ्ट किये गये दोनों चीते (प्रभास व पावक) ने अपनी रफ्तार से करीब छह किमी का पूरा बाड़ा नाप लिया है। वे बार बार पानी पी रहे हैं लेकिन छत्तीस घंटे में उनके द्वारा किसी भी शिकार की जानकारी सामने नहीं आई। 20 अप्रैल को सीएम मोहन यादव ने कूनों से लाए गए चीतों को गांधीसागर अभयारण्य में छोड़ा था। तभी से 6 सदस्यीय दल इनकी निगरानी में जुटा है। इनमें कूनो व बाहर से आए हुए विशेषज्ञ भी शामिल हैं। टीम लगातार चीतों के मूवमेंट पर नजर बनाए हुए है।

पूर्वी मप्र में गर्मी का जबरदस्त अटैक

भोपाल। मध्यप्रदेश का पूर्वी हिस्सा यानी, सीधी, सतना, टीकमगढ़, छतरपुर, सिंगरौली जमकर तप रहा है। सीधी में पारा 44 डिग्री पार कर रहा है। 27 शहरों में पारा 40 डिग्री या इससे अधिक रहा। मौसम विभाग के अनुसार, इंदौर, रीवा, ग्वालियर और चंबल संभाग के 9 जिलों में लू चल सकती है। इनमें अलीराजपुर, बड़वानी, शिवपुरी, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ सीधी और सिंगरौली शामिल हैं। भोपाल, उज्जैन, सागर और जबलपुर संभाग में भी गर्मी का असर रहेगा। यहां भी लू जैसे हालात ही रहेंगे।

जलसंकट

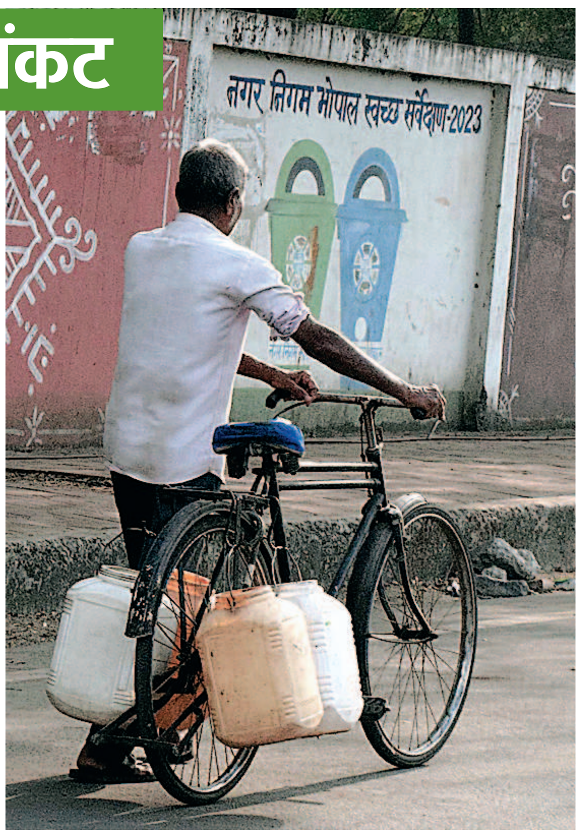

पानी की बर्बादी

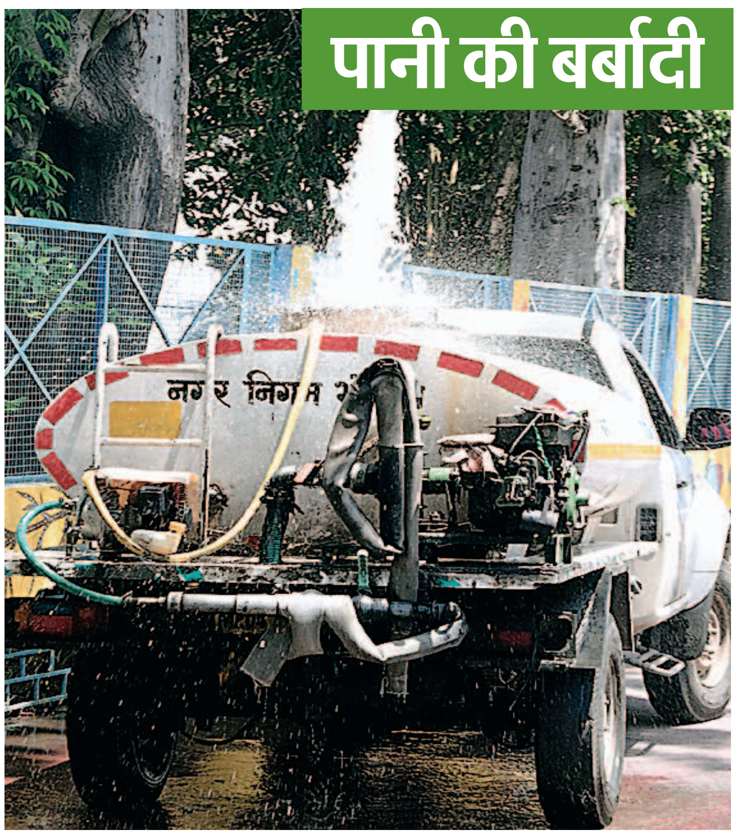

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शहर में गर्मी का मौसम आते ही पानी की समस्या बढ़ने लगी है, वहीं दूसरी तरफ नगर निगम की लापरवाही के कारण पानी बर्बादी हो रही है।

पेड़ कटाई रोकने और छोटे तालाब के संरक्षण की गुहार

प्रोफेसर कॉलोनी खाली कराने खामोशी से नोटिस जारी

रहवासी बिफरे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर की पुरानी प्रोफेसर्स कॉलोनी रिडेंसीफिकेशन के लिए प्रशासन धीरे धीरे कदम बढ़ा रहा है। बताया जाता है कि यहां 139 मकानों को खाली कराने के लिए नोटिस जारी करने का सिलसिला शुरू कर दिया गया है। अब तक लगभग 90 लोगों को यह नोटिस मिल चुके हैं। कलेक्टोरेट सहित अन्य कार्यालयों की शिफ्टिंग के लिए किए जा रहे इस प्रोजेक्ट के विरोध को देखते हुए अब तक टेंडर जारी नहीं हुए हैं। इस प्रोजेक्ट का स्थानीय लोग और संस्थायें विरोध कर रही हैं। हालांकि टेंडर जारी होने से पहले ही मकान खाली कराने के नोटिस जारी होने पर रहवासियों में तो नाराजगी है। सांसद आलोक शर्मा ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से इन मकानों में रहने वालों को नोटिस जारी करने पर तीखी नाराजगी जताई भी है।

उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर्स कॉलोनी रीडेंसीफिकेशन का प्रोजेक्ट करीब दो साल पहले मंजूर हुआ था। लेकिन यहां काफी संख्या में पुराने पेड़ की कटाई और छोटे तालाब के संरक्षण जैसे मुद्दों पर सिटिंजस फोरम ने इसे एनजीटी में चैलेंज किया था। लगभग 6 महीने पहले एनजीटी ने प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी थी। लेकिन, इसके बावजूद स्थानीय रहवासी इससे सहमत नहीं हैं। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि हर स्तर पर ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं। अब इन्हें उम्मीद हैं कि सांसद आलोक शर्मा प्रोजेक्ट के विरोध में आ गए है तो शायद बात बने। शर्मा पुराने शहर से कलेक्टोरेट की शिफ्टिंग पर सहमत नहीं बताए जा रहे। उनका कहना है कि एक समय था जब शहर के कई दफ्तर पुराने शहर में लगते थे। एक-एक करके सबके बाहर जाने से यहां की रौनक खत्म हो गई है। हालांकि अफसरों का दावा है कि प्रशासनिक स्तर पर लगातार समीक्षा हो रही है। दरअसल, सांसद आलोक शर्मा ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से इस पर नाराजगी जताकर कहा है कि उनके साथ अन्य जनप्रतिनिधि भी प्रोजेक्ट के विरोध में हैं। जनप्रतिनिधियों से समन्वय के बिना इस तरह की कार्रवाई उचित नहीं है। कलेक्टर ने उन्हें आश्वस्त किया कि संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय कर कोई रास्ता निकाला जाएगा।

लगभग 500 करोड़ का प्रोजेक्ट

यह रीडेंसीफिकेशन प्रोजेक्ट लगभग 500 करोड़ रुपए का है। इससे यहां संभागायुक्त, कलेक्टोरेट सहित अन्य दफ्तर शिफ्ट होने हैं। इसके साथ ही मौजूदा ओल्ड सेक्रेटरिएट की खाली होने वाली जमीन पर हाउसिंग और कमर्शियल प्रोजेक्ट लाने की योजना है। हालांकि कई लोग यह भी कहते हैं कि पुराने स्थान पर ही नया प्रासनिक भवन भी बन सकता है।

नगर निगम का बजट अटका, जरूरी खर्च के लिए भी पैसा नहीं!

निगम अध्यक्ष ने हस्ताक्षर से पहले मांगा स्पष्टीकरण

भोपाल। नगर निगम का करीब डेढ सप्ताह पहले पारित 3,611 करोड़ का बजट अब तक परिषद से निगम प्रशासन को नहीं मिला है। नतीजा यह है कि नगर निगम के जरूरी खर्च अटक गए हैं। यही स्थिति रही तो एक-दो दिन में निगम के वाहनों के लिए डीजल तक के लाले प? सकते हैं। कचरा कलेक्शन जैसी सेवाएं भी थम सकती हैं। यह स्थिति इसलिए बनी, क्योंकि निगम परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने निगमायुक्त से बजट पर स्पष्टीकरण मांग लिया है। उनका कहना है कि 2025-26 के बजट के साथ 2024-25 का पुनरीक्षित बजट उन्हें और पूरी परिषद को गुमराह करके पारित करा लिया गया। इसके अलावा बजट के साथ प्रशासनिक प्रतिवेदन भी पेश नहीं किया गया। स्पष्टीकरण नहीं मिलने से सूर्यवंशी ने परिषद बैठक की प्रोसिडिंग पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं और बजट अटका गया है। इस पर महापौर मालती राय का कहना है कि इस बारे में अध्यक्ष ही बता सकते हैं क्योंकि उन्होंने क्या स्पष्टीकरण मांगा है, वे बता सकते हैं। हमने परिषद में जो बजट पेश किया वह बहुमत से पारित हुआ है। वहीं अध्यक्ष सूर्यवंशी का कहना है कि एजेंडे में पिछले वित्त वर्ष के पुनरीक्षित बजट का जिक्र नहीं था? हमें पुनरीक्षित बजट की जानकारी नहीं थी, जबकि बजट देखने पर पता लगता है कि हर मद में बदलाव हुआ है। उधर कमिश्नर हरेंद्र नारायण ने कहा कि बजट शासन द्वारा तय फार्मेट और नियमो? के अनुसार है। अगले वित्त वर्ष की शुरुआत में बजट अनुमानक होता है। साल के समापन पर कोई बदलाव हुआ है तो पुनरीक्षित के रूप में रखा जाता है।

जेपी में आउटसोर्स कर्मचारियों को नहीं मिल रहा वेतन, थाने में की गई शिकायत

भोपाल। शहर के जेपी अस्पताल में 150 आउटसोर्स कर्मचारियों को चार महीने से वेतन नहीं मिलने का मामला सामने आया है। इससे नाराज कर्मचारियों ने गत दिवस काम बंद पर परिसर में धरनाा दे दिया। इस दौरान सिविल सर्जन से लेकर स्थानीय विधायक के सामने एजेंसी से वेतन दिलवाने की गुहार लगाई। जब उनकी बात नहीं सुनी गई तो नाराज कर्मचारी एजेंसी की शिकायत करने हबीबगंज थाने पहुंच गए।इस मामले में आउटसोर्स कर्मचारी नेता कोमल सिंह ने कहा कि-जब तक वेतन नहीं मिलेगा तब तक कर्मचारी काम बंद करेंगे। साथ ही शोषण प्रथा की नीति के खिलाफ नारेबाजी कर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। उनका कहना है कि कर्मचारियों को पिछले 4 माह से वेतन भुगतान नहीं किया जा रहा है। आउटसोर्स कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति खराब हो रही है। उनकी रोजी रोटी का संकट पैदा हो रहा है। इसलिए मजबूर होकर आउटसोर्स कर्मचारी सिविल सर्जन से गुहार लगाने पहुंचे थे, लेकिन सिविल सर्जन द्वारा कोई सुनवाई नहीं की गई। कर्मचारियों में आक्रोश ब? रहा है। आउटसोर्स कर्मचारियों ने एकत्रित होकर हबीबगंज थाने में संबंधित एजेंसी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कराया है।

संत गर्ल्स कॉलेज कार्यशाला में नेतृत्व विकास पर कार्यशाला

विशेषज्ञ ने छात्राओं को बताए नेतृत्व के सूत्र

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) और प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ ने नेतृत्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर अश्विनी कुमार राव मुख्य वक्ता थे। राव ने टीमों का प्रबंधन और कार्यस्थल पर सफल होना विषय पर अपने समृद्ध अनुभव और विशेषज्ञता को साझा किया। उन्होंने शिक्षा के गतिशील परिवेश में नेतृत्व क्षमताओं को विकसित करने के लिए व्यावहारिक उपकरणों और तकनीकों की जानकारी भी दी। कार्यशाला में संकाय सदस्य किस प्रकार सक्रिय नेतृत्वकर्ता और कुशल टीम सहयोगी बनकर संस्थागत विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। राव ने नेतृत्व और सफलता से जुड़े कई प्रमुख सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वर्तमान परिदृश्य में प्रासंगिक बने रहने के लिए कौशल उन्नयन की आवश्यकता, शिक्षण के माध्यम से दूसरों को सशक्त बनाने का महत्व और आत्म-संतुष्टि के खतरों से अवगत कराया। उन्होंने ग्राहकों को समझने, बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने और चुनौतियों को सफलता की सीढ़ी के रूप में स्वीकार करने के महत्व पर भी बात की। श्री राव ने %सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट% की वास्तविकता, सकारात्मक और प्रेरित रहने की आवश्यकता तथा दूसरों को प्रेरित करने के लिए स्वयं को चुनौती देने के महत्व को विस्तार से समझाया। समापन टिप्पणी में, राव ने कहा, अनुकूलनशीलता नेतृत्व और कार्यस्थल दोनों में सफलता की आधारशिला है। कॉलेज प्रबंधन ने अश्विनी कुमार राव का आभार व्यक्त किया।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम एक हजार सीड बॉल्स बनाई बच्चों ने

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

विमल विद्या मंदिर डी.के.बी. कॉन्वेंट स्कूल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस दौरान एक हजार से अधिक सीड बॉल्स (बीज गेंदें) तैयार की गईं। टीम के सदस्यों ने बताया कि इन सीड बॉल्स को बरसात के मौसम में उन क्षेत्रों में डाला जाएगा जहाँ वन क्षेत्र की कमी है। इसका उद्देश्य यह है कि वर्षा के जल से ये बीज अंकुरित हों और उन स्थानों पर एक नए वन का विकास हो सके, जिससे पर्यावरण को सकारात्मक रूप से लाभ मिलेगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को बचपन से ही पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराना था। साथ ही, यह भी अपेक्षा की गई कि बच्चे इस जागरूकता को अपने घरों तक ले जाएं और अपने परिवार के अन्य सदस्यों को भी पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराएं। इस गतिविधि के माध्यम से छात्रों को न केवल पर्यावरण संरक्षण के महत्व को गहराई से समझने का अवसर मिला, बल्कि उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से इसमें अपना योगदान भी दिया। सीड बॉल्स बनाने में स्कूल की प्राचार्य हर्षिता शास्त्री और शिक्षिकाएं उषा सिंह, ज्योति कुमारी, मिलन कुंवर, शीलमनी, अंकिता, राधिका, अल्फिया ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्त, अर्श फाउंडेशन की ओर से शिवम गोहदिया, सतीश कुशवाहा, सौरभ बाथम, करिश्मा वैष्णव, विकास अहिरवार और बंटी चौरे ने योगदान दिया।

मेट्रो एंकर

प्राकृतिक चिकित्सा 10 दिवसीय आवासीय शिविर शुरू

देशभर से प्राकृतिक चिकित्सा से स्वस्थ रहना सीखने आए साधक

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केंद्र में सोमवारसे ÷रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर की शुरूआत हुई। 10 दिवसीय आवासीय शिविर में विभिन्न शहरों से अनेक साधकगण प्राकृतिक उपचार और स्वस्थ जीवन शैली सीखने के उद्देश्य से संत नगर पहुंचे हैं। शिविर के पहले दिन शिविरार्थियों के पंजीकरण और प्राकृतिक चिकित्सकों द्वारा परामर्श से हुई। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय टेवानी द्वारा शिविर का औपचारिक शुभारंभ व्याख्यान दिया गया। डॉ. टेवानी ने शिविर के मुख्य उद्देश्य ÷प्राकृतिक चिकित्सा से संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करना संभव÷ पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि शिविर के माध्यम से प्रतिभागी अपने शरीर को शुद्ध करने की प्रक्रिया सीखेंगे, जो स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। डॉ. टेवानी ने स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के एकमात्र उपाय के रूप में अस्वस्थ दिनचर्या में परिवर्तन कर स्वस्थ दिनचर्या अपनाने की बात कही।

शिविरार्थियों को अपक्वाहार और प्राकृतिक उपचार पद्धतियों के साथ-साथ योग, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा और पोटली मसाज जैसी विभिन्न तकनीकों से लाभ होने की उम्मीद है।

यह होगा शिविर में

नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ, प्रातःकालीन और सायंकालीन व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान, ध्यानात्मक क्रियाएं और आनंद मेला

बीमारियों को दूर करने में एनिमा, उपवास, अपक्वाहार, पर्याप्त नींद, शुभ चिंतन और ग्रीन जूस को अपनाने की कला भी सिखाई जाएगी

अस्वस्थ जीवन शैली, गलत रहन-सहन, गलत आहार और नकारात्मक विचारों में परिवर्तन कर स्वस्थ रहने के तरीके बताए जाएंगे।

शिविर में प्राकृतिक चिकित्सकों व व्याख्यानकर्ताओं द्वारा व्याख्यान सत्र

टेलीकॉम सेक्टर की बड़ी कम्पनियां मध्यप्रदेश में कर सकेंगी निवेश

देश का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन ग्वालियर में बनेगा

– 350 एकड़ जमीन देगी सरकार, यहां बनेंगे टेलीकॉम से जुड़े सभी उपकरण

– ग्वालियर में प्रस्तावित उक्त जोन किसी भी राज्य का होगा पहला जोन

भोपाल. दोपहर मेट्रो। देश का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) ग्वालियर में बनेगा। सरकार इसके लिए 350 एकड़ जमीन देगी। इसमें टेलीकॉम सेक्टर से जुड़े सहायक उपकरण, सिस्टम, कम्पोनेंटस, वाइफाई, ऑप्टिकल्स, मोबाइल डिवाइस, सिमकार्ड, एंटीना, टेलीकॉम चिप्स बनेंगे। 6-जी जैसी नई टेक्नॉलाजी के लिए अनुसंधान एवं विकास पर भी काम होंगे। मध्यप्रदेश में टेलीकॉम नेटवर्क का विस्तार होगा और कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोमवार बैठक बुलाई थी, जिसमें टेलीकॉम सेक्टर से जुड़ी कम्पनियां और निवेशकों से प्रत्येक संभावनाओं पर बात की। उसके पहले मुख्यमंत्री व केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्यमंत्री एल मुरुगन के बीच लंबी चर्चा हुई। दावा है कि उक्त जोन में टेलीकॉम सेक्टर से जुड़ी डिक्सॉन, वॉयकॉन, आईबीएम, निक्सन एवं एरिक्सन जैसे सभी बड़ी कम्पनियां निवेश करेंगी।

मुख्यमंत्री ने की टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन की स्थापना के लिए निवेशकों से की चर्चा

जबलपुर में भी संभावनाएं

सीएम ने बैठक में कहा कि टेलीकम्यूनिकेशन फेसिलिटीज को बेहतर बनाकर हम प्रदेश के हर क्षेत्र व दुर्गम इलाकों में कनेक्टिविटी बढ़ाना चाहते हैं। ग्वालियर, जबलपुर जैसे क्षेत्रों में टेलीकॉम सेक्टर के विकास की असीम संभावनाएं हैं। आगामी 27 अप्रैल को इंदौर में आईटी कॉन्क्लेव होने जा रही है। इच्छुक निवेशक इसमें अपना प्रस्ताव दे सकते हैं। टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन के निर्माण के लिए बड़े लैण्ड बैंक की आवश्यकता होगी। कम जमीन में ज्यादा निर्माण इकाईयां स्थापित करने से स्थापना की लागत भी कम होगी और प्रबंधन में भी आसानी होगी।

271 जमीन उद्योगों को

ग्वालियर आईटी पार्क में लगभग 70 एकड़ एवं साडा ग्वालियर क्षेत्र में 300 एकड़ भूमि की मांग निवेशकों द्वारा की है। मुख्य सचिव जैन द्वारा बताया कि सीएम के निर्देश के अनुसार साडा ग्वालियर की 271 हेक्टेयर भूमि औद्योगिक नीति एवं प्रोत्साहन विभाग को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया। साडा के समीपवर्ती क्षेत्र से ग्रीन कॉरिडोर एक्सप्रेस वे भी बनाया जाना संभावित है ताकि आगरा-दिल्ली की दूरी कम हो जाएगी और लगभग 50 मिनट की अवधि में ग्वालियर से आगरा की दूरी तय की जा सकेगी। इससे कम्पनियों को लॉजिस्टिक का व्यय कम से कम होगा। साडा क्षेत्र से ही ग्वालियर वेस्टर्न बायपास का निर्माण होगा। आगरा-मुम्बई (एबी रोड) से सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी। साडा क्षेत्र से दिल्ली-नागपुर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर भी निकल रहा है। जीआईएस के दौरान 18 नए औद्योगिक नीतियां लागू की गई हैं।

ऐसा होता है टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन

वर्ष 2025 में ग्लोबल टेलीकॉम मार्केट लगभग यूएसडी 2.10 ट्रिलियन का अनुमानित है, जिसमें भारत की हिस्सेदारी यूएसडी 53.18 बिलियन है। ग्लोबल टेलीकॉम मार्केट में अपनी भागीदारी ब?ाने के लिए भारत के पास यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है। टेलीकॉम सेक्टर में आत्मनिर्भर बनाने के लिए दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय विशेष टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन बनाने की योजना पर काम कर रहा है। इस टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन का लक्ष्य भारत में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग, अनुसंधान एवं डिजाइन तथा विस्तृत इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करना है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स को आकर्षित करने के लिए, टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन के तहत प्लग एंड प्ले इंफ्रास्ट्रक्टर, फिस्कल एवं नॉन-फिस्कल इंसेटिव्स एवं अन्य सुविधाएं देना प्रस्तावित है। जोन में दूरसंचार विभाग द्वारा अत्याधुनिक एवं विश्वस्तरीय टेस्टिंग लैब्स एवं डिजाइन सेंटर जैसी सहायक सुविधाओं का भी विकास किया जाएगा। मध्यप्रदेश की सेंट्रल लोकेशन, स्ट्रॉन्ग लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कनेक्टिविटी, विकसित औद्योगिक इकोसिस्टम, एवं अनुकूल नीतियां, इसे टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन के लिए आदर्श और निवेश आकर्षित करने वाला स्थान बनाती हैं।

लोक संपत्तियों को नहीं बेच सकेंगे अफसर

सीएम ने लगाई रोक

लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग की समीक्षा बैठक में सीएम ने दिए निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अब अफसर लोक संपत्तियों को बेच नहीं सकेंगे बल्कि उनका उपयोग आम जनता के हित में करेंगे। कई बार ऐसी संपत्तियों को बेच दिया जाता था। प्रदेश में ऐसी कम ही संपत्तियां बची है, जिनकी मैपिंग की जाएगी। इनके जरिए आय के स्त्रोत के लिए पूरी कार्य योजना बनेगी। प्रदेश के अंदर और प्रदेश के बाहर स्थिति सभी संपत्तियों की नए सिरे से लिस्टिंग होगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोमवार शाम को बुलाई समीक्षा बैठक में इसके निर्देश दिए। वह लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। सीएम ने कहा कि सरकार से जुड़ी लोक परिसंपत्तियों को बेचना ही विकल्प नहीं है। ऐसी संपत्तियों को उपयोगी बनाने के कई विकल्प मौजूद है, उन पर काम करें। जब भी इन्हें नीलाम करने की बारी आए तो विभाग अकेले निर्णय न लें, बल्कि राजस्व, धर्मस्व, विधि-विधायी जैसे विभाग से भी एक बार राय ले लें। प्रदेश में 655 लोक परिसम्पित्तयां है। इनमें जिलों ने 471 व विभागों द्वारा 184 परिसम्पत्तियों को दर्ज किया है। कुल दर्ज की गई परिसम्पत्तियों में जिला, विभाग को 505 परिसम्पत्तियां वापस सौंपी गई है और 101 परिसम्पत्तियों का मुद्रीकरण, 48 परिसम्पत्तियों का प्रबंधन किया गया। एक परिसम्पत्ति के प्रबंधन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

पीडब्ल्यूडी को दे सकते हैं: सीएम ने कहा कि परिसम्पत्तियों का अभिलेखीकरण कर लें जिससे आवश्यकता अनुसार इनका उन्नयन कर विकसित किया जा सके। ऐसी संपत्तियों को ब?ी विकास परियोजनाओं के साथ जो? ताकि शासन को ऐसे सम्पत्तियों का भी लाभ हो। प्रबंधन को लेकर नवाचार भी करें। राज्य के बाहर शासन के स्वामित्व वाली परिसम्पत्तियों का प्राथमिकता से प्रबंधन, निर्वतन हो। अच्छे लोकेशन में मौजूद शासकीय परिसम्पत्तियों का यथासंभव शासन के हित में ही नियोजन किया जाए। जरुरत पड़े तो पीडब्ल्यूडी को देने पर विचार किया जा सकता है।

पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नहीं, यह बौद्धिक संपदा का भव्य केंद्रः डॉ. मंसूरी

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को माइक्रोबायोलॉजी विभाग में हुआ। विश्वविद्यालय के कुलगुरु, प्रो. सुरेश कुमार जैन द्वारा इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए। बीयू की माइक्रोबायोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता तिलवारी, विभागाध्यक्ष ने विश्वविद्यालय पुस्तकालय की शैक्षणिक भूमिका पर विशेष जोर दिया। बीयू कुलसचिव डॉ. आई. के. मंसूरी ने कहा कि ÷पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नहीं, बल्कि यह विश्वविद्यालय की बौद्धिक संपदा का भव्य केंद्र है। यह छात्रों के लिए नई सोच, अनुसंधान और नवाचार का मार्ग प्रशस्त करता है।÷ उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे पुस्तकालय की डिजिटल सुविधाओं का भरपूर उपयोग करें।

मुख्यमंत्री की हिदायत

अपने अधिकारों का सदुपयोग करें लोकसेवक, कर्तव्यों से विमुख न हों

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि सिविल सेवा सिर्फ एक पेशा नहीं, यह जनसेवा का माध्यम है। सिविल सेवकों का दायित्व है कि वे अपने अधिकारों का सदुपयोग करें, लेकिन कर्तव्यों से कभी विमुख न हों। लोक प्रशासन का मूल मंत्र ही हरसंभव तरीके से लोगों की सेवा करना है। मुख्यमंत्री ने यह बात लोकसेवा दिवस पर प्रदेश के नौकरशाहों को संबोधित करते हुए कही। नरोन्हा प्रशासन अकादमी में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री ने पिछले दो साल में बेहतर काम करने वाले प्रदेश के 16 लोक सेवकों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। सभी को एक लाख रुपए की राशि और प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया।

सीएम ने कहा कि सभी लोक सेवकों को शासन व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और लोक जवाबदेही की भावना को और मजबूत करने की दिशा में काम करना होगा। इससे पहले मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि देश के पहले गृहमंत्री सरदार पटेल ने सिविल सर्वेंट को स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया कहा था, तब उन्होंने यह भी कहा था कि लोकसेवकों के लिए तीन बातें जोर देकर कही थी, डिग्निटी, इंटेग्रिटी और इनकरप्टिबिलिटी (गरिमा, सत्यनिष्ठा और भ्रष्ट न होने क्षमता)। यह आज भी हमारे लिए आदर्श प्रेरणा स्रोत हैं। व्याख्यान में इस बार मुख्य वक्ता इन्वेस्ट इंडिया के पूर्व एमडी व सीईओ डॉ. दीपक बागला थे। उन्होंने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में नौकरशाहों की भूमिका पर बात की।

इन लोक सेवकों को पुरस्कार

माधवप्रसाद पटेल (शिक्षक), अदिति गर्ग (तत्कालीन सीईओ आयुष्मान भारत निरामय योजना), डॉ. इंदिरा दांगी (शिक्षक) शारदा डुडवे (माध्यमिक शिक्षक) चंद्रशेखर आजाद नगर, आलोक पौराणिक प्राथमिक शिक्षक पथरिया दमोह, चंद्रमोहन ठाकुर तत्कालीन एमडी भवन विकास निगम, डॉ. यशपाल सिंह प्राचार्य आवासीय विद्यालय भोपाल, संजय जोशी एमडी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड। अमित तोमर तत्कालीन एमडी पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी , ऋषभ गुप्ता पूर्व कलेक्टर देवास, गणेश शंकर मिश्रा तत्कालीन प्रबंध संचालक विद्युत वितरण कंपनी, दिव्यांक सिंह तत्कालीन सीईओ स्मार्ट सिटी परियोजना इंदौर, प्रवीण सिंह अढायच पूर्व कलेक्टर सीहोर, प्रो. बेला सचदेवा सहायक प्राध्यापक इंदौर, भूपेंद्र कुमार चौधरी माध्यमिक शिक्षक चिमनाखारी जिला सिवनी, शीला दाहिमा अतिरिक्त सचिव शिक्षा विभाग।

हम नई पीढ़ी को संवाद और करुणा जैसे मूलभूत गुण भी सिखाएं : प्रो. अजय सिंह

एम्स में बाल अस्थि रोगों पर सीएमई का हुआ आयोजन

भोपाल। एम्स में अस्थि रोग विभाग द्वारा मप्र चैप्टर ऑफ इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन, भोपाल ऑर्थोपेडिक सर्जन्स सोसायटी तथा एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक सर्जन्स के सहयोग से बाल अस्थि रोगों पर केन्द्रित एक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य दिन-प्रतिदिन की बाल अस्थि रोग संबंधी जटिलताओं पर चर्चा कर उभरते चिकित्सकों को आवश्यक जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था। इस अवसर पर इस अवसर पर प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह ने प्रतिनिधियों और संकाय को संबोधित करते हुए युवा चिकित्सा पेशेवरों में नैदानिक कुशाग्रता और करुणा को मजबूत करने में ऐसे शैक्षणिक मंचों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा यह अत्यंत आवश्यक है कि हम नई पीढ़ी के ऑर्थोपेडिक चिकित्सकों को केवल नैदानिक कौशल ही नहीं, बल्कि संवाद और करुणा जैसे मूलभूत गुण भी सिखाएं। प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा कि एम्स भोपाल द्वारा लंबे समय से विशेषीकृत बाल अस्थि रोग सेवाएं प्रदान की जा रही हैं और हम बच्चों की अस्थि स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में जनहितकारी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह सीएमई हमारे शैक्षणिक और नैदानिक पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बेहतर शिक्षण हेतु, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त संस्थानों के बीच तथा अनुभवी विशेषज्ञों के बीच छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

संपादकीय

बदत का मौसम

ह बीते वर्ष मानसून अनुकूल रहा जिसका नतीजा यह रहा कि दीर्घावधि के औसत की तुलना में 7.6 फीसदी अधिक वृद्धि देखने को मिली। अब फिर मौसम विभाग ने अपने मॉनसून संबंधी पूर्वानुमान में इस वर्ष यानि दो महीने बाद अच्छी बारिश का अनुमान प्रस्तुत किया है। उसका कहना है कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून से होने वाली वर्षा सामान्य से करीब पांच फीसदी बेहतर रहेगी। भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र के ऊपर बने हालात तथा तटस्थ अल नीनो प्रभाव के बीच और ला नीना जैसी परिस्थितियां बनने के कारण अनुमान लगाया जा रहा है कि भारतीय उपमहाद्वीप के ऊपर मॉनसून का मजबूत प्रवाह निर्मित होगा। बहरहाल, मॉनसून का वितरण एकरूप होने की उम्मीद नहीं है। बिहार, तमिलनाडु तथा पूर्वोत्तर के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से कम वर्षा होने की आशंका है। सिंचाई के रकबे में सुधार के बावजूद कृषि उत्पादन के लिए दक्षिण पश्चिम मॉनसून का बेहतर होना अहम है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के सकल घरेलू उत्पाद के दूसरे अग्रिम अनुमानों के मुताबिक कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में 2024-25 में 4.4 फीसदी की वृद्धि दर रह सकती है जबकि 2023-24 में वह 2.7 फीसदी थी। औसत से अधिक वर्षा होने के कारण इस वर्ष भी समग्र वृद्धि को बल मिलने की उम्मीद है। अच्छा मॉनसून रबी की फसलों के लिए भी बेहतर साबित होगा क्योंकि नमी बढ़ेगी और जलाशयों में अधिक पानी रहेगा। बीते वर्ष हुई अधिशेष बारिश के कारण कृषि उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा और गत वर्ष की तुलना में खरीफ तथा रबी का खाद्यान्न उत्पादन क्रमशः 7.9 फीसदी और 6 फीसदी बढ़ने का अनुमान मजबूत है। इससे खाद्यान्न कीमतों को नियंत्रित रखने में भी मदद मिली। ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश की खुदरा मुद्रास्फीति की दर मार्च में 3.34 फीसदी रही जो फरवरी के 3.61 फीसदी से थोड़ी अधिक थी। यह अगस्त 2019 के बाद की सबसे निचली दर है। खाद्य मुद्रास्फीति की दर जिसने हेडलाइन मुद्रास्फीति दर को ऊंचे स्तर पर रखा था वह फरवरी के 3.75 फीसदी से कम होकर मार्च में 2.69 फीसदी रह गई। यह नवंबर 2021 के बाद का सबसे निचला स्तर था। अच्छे मॉनसून से खाद्यान्न कीमतें नियंत्रित रहेंगी। इससे मौद्रिक नीति समिति के पास गुंजाइश बढ़ेगी। बहरहाल, वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ी हुई अनिश्चितता को भी ध्यान में रखना होगा। रिजर्व बैंक को उम्मीद है कि मुद्रास्फीति की दर चालू वित्त वर्ष में औसतन चार फीसदी रहेगी। मध्यम अवधि के नीतिगत नजरिये से देखें तो सामान्य से बेहतर बारिश का अनुमान होने के बावजूद जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से नजर नहीं हटानी चाहिए। अतिरंजित मौसम की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। 2024 में देश भर में 365 दिनों में 322 ऐसी घटनाएं घटीं। रिजर्व बैंक ने भी 2022-23 की अपनी करेंसी और फाइनैंस संबंधी रिपोर्ट में मॉनसून की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के दीर्घकालिक प्रभावों के बारे में बातचीत की थी। यानि अत्यधिक तपिश, मॉनसून की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन, तीनों मिलकर देश की अर्थव्यवस्था पर असर डालेंगे और सकल घरेलू उत्पाद में इनके कारण दो फीसदी तक की कमी आ सकती है। इसके चलते 2050 तक देश की आधी आबादी का जीवन स्तर भी प्रभावित होगा। अगर इससे निपटने के लिए बहुकोणीय नीति नहीं अपनाई गई तो ऐसी घटनाओं का प्रभाव और बढ़ेगा। इस वर्ष मॉनसून के अनुकूल रहने का लाभ लेते हुए जलाशयों को भरा जाना चाहिए। यानि दीर्घकालिक नीति व कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने की सबसे बडी जरूरत है।

गरीबी कम होने के बावजूद 80 करोड़ लोग ले रहे हैं मुफ्त का राशन, क्या चक्कर है?

■ स्वामीनाथन एस अंकलेसरिया अय्यर

भा सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मुफ्त अनाज सिर्फ गरीबों को मिलना चाहिए। समृद्ध लोगों को इसका फायदा नहीं पहुंचना चाहिए। सरकार कहती है कि देश में गरीबी बहुत कम हो गई है। लेकिन सरकार यह भी कहती है कि वह 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त अनाज दे रही है। यह देश की आबादी का 57.5त्र है। गरीबी कम होने के बाद भी यह आंकड़ा कम नहीं होता। क्या यह विरोधाभास नहीं है?

यहां पर दो अलग-अलग बातें हैं। पहली बात है टाइप A त्रुटियां। इसका मतलब है कि सब्सिडी का लाभ उन लोगों तक भी पहुंच रहा है जो गरीब नहीं है। दूसरी बात है टाइप B त्रुटियां। इसका मतलब है कि सरकार हर गरीब तक पहुंचने में विफल हो रही है। नेता टाइप B त्रुटियों को रोकना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि योजनाएं सभी जरूरतमंदों तक पहुंचें। इससे उन्हें ज्यादा वोट मिल सकते हैं। लेकिन वे टाइप A त्रुटियों को नहीं रोकना चाहते। दरअसल, लोकतंत्र में एक अजीब राजनीतिक प्रोत्साहन है। नेता चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ मिले। इससे उन्हें ज्यादा वोट मिलेंगे। सुप्रीम कोर्ट पूछता है, 'क्या राशन कार्ड लोकप्रियता कार्ड बन रहे हैं?' जवाब है- वे हमेशा से लोकप्रियता कार्ड रहे हैं। इसमें कुछ भी नया नहीं है।टाइप A त्रुटियों को रोकना और टाइप B त्रुटियों को प्रोत्साहित करना, दोनों ही बातें तार्किक रूप से सही हैं। दोनों का मकसद लाभार्थियों की संख्या बढ़ाना है। एक का मकसद सभी वंचितों तक पहुंचना है। दूसरे का मकसद सभी गैर-जरूरतमंदों तक पहुंचना है। टाइप B त्रुटियों को सिर्फ अखबारों के संपादकों, अर्थशास्त्रियों और कभी-कभी जजों द्वारा ही गलत माना जाता है। नेताओं या मतदाताओं को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने एक बार कहा था कि गरीबी दूर करने के कार्यक्रमों में सिर्फ 15त्र पैसा गरीबों तक पहुंचता है। बाकी पैसा लाल फीताशाही, भ्रष्टाचार और गलत लक्ष्य निर्धारण में बर्बाद हो जाता है। लेकिन तब से सरकारों की काम करने की क्षमता में काफी सुधार हुआ है। डिजिटलीकरण, जन धन योजना, आधार डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT), फर्जी राशन कार्डों को खत्म करने और भ्रष्टाचार में कमी आई है। अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज ने डिजिटल त्रुटियों को उजागर किया है। लेकिन कुल मिलाकर त्रुटियां पहले से कम हैं। कोविड के दौरान, सरकार ने गरीबों को मुफ्त राशन अच्छी तरह से पहुंचाया। मतदाताओं ने BJP को उत्तर प्रदेश के चुनावों में शानदार जीत दिलाई।

सरकार की डिलीवरी कैपेसिटी में सुधार के बावजूद मुफ्त राशन का लक्ष्य निर्धारण क्यों नहीं सुधरता? इसका कारण है लोकतांत्रिक राजनीति। जब ज्यादातर लोग गरीबी रेखा से नीचे थे, तो गरीबी दूर करने के कार्यक्रम ज्यादातर मतदाताओं को लक्षित थे। लेकिन जब गरीबों की संख्या में कमी आई है (कम से कम सरकारी आंकड़ों के अनुसार), तो राजनीति पूरी तरह से बदल गई। लाभों को एक छोटे वर्ग तक सीमित करने का मतलब था लाखों लोगों से सस्ता भोजन का अधिकार छीनना। कोई भी नेता आपको बताएगा कि यह राजनीतिक आत्महत्या है। इसलिए, भले ही गरीबी करोड़ों लोगों तक कम हो जाए, लेकिन कोई भी राजनीतिक पार्टी करोड़ों लोगों से हक छीनने की हिम्मत नहीं करती है।अमेरिका में रोनाल्ड रीगन 'गरीबी की रानियों' को मिलने वाले लाभों की आलोचना करके लोकप्रिय हुए। उन्होंने कहा कि ये लोग काम कर सकते हैं और कमा सकते हैं, लेकिन सब्सिडी पर जीना पसंद करते हैं। रीगन ने इसे करदाताओं के पैसे की बर्बादी बताया। उनकी इस बात का लेबर क्लास के एक बड़े वर्ग ने समर्थन किया।

भारत में राजनीति इतनी अलग क्यों है? क्योंकि मध्यम वर्ग को लुभाने के लिए इनकम टैक्स में छूट की सीमा को एक लाख रुपये प्रति माह तक बढ़ा दिया गया है। अब सिर्फ सबसे अमीर लोग ही इनकम टैक्स देते हैं। यह आबादी का सिर्फ 4त्र है। लोकतंत्र की सफलता मतदाताओं और चुने हुए शासकों के बीच एक सामाजिक अनुबंध पर निर्भर करती है। लोग सरकार को टैक्स लगाने की शक्ति देते हैं। बदले में, उन्हें अच्छी सार्वजनिक और सामाजिक सेवाएं मिलती हैं। जो मतदाता अपने टैक्स के पैसे के इस्तेमाल से असंतुष्ट हैं, वे गलत सरकारों को वोट देकर हटा देते हैं। इस तरह टैक्स के पैसे का दुरुपयोग रोका जाता है।भारत में ऐसा नहीं होता क्योंकि सिर्फ 4त्र लोग ही इनकम टैक्स देते हैं। कई लोग टैक्स रिटर्न फाइल करते हैं, लेकिन टैक्स नहीं देते। ज्यादातर मतदाताओं को टैक्स के पैसे के दुरुपयोग से कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि वे इनकम टैक्स नहीं देते हैं। उनके टैक्स के पैसे का दुरुपयोग नहीं हो रहा है। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि अमीरों के टैक्स के पैसे का इस्तेमाल वोट बैंक बनाने के लिए किया जा रहा है। ज्यादातर मतदाता मुफ्त चीजों का दायरा बढ़ाना चाहते हैं, न कि टैक्स का दायरा। क्या यह लोकतांत्रिक राजनीति का एक सही नतीजा है? शायद ठीक है, लेकिन निश्चित रूप से बहुत अच्छा नहीं है।

भारतीय रुपये में, पाकिस्तान में इनकम टैक्स छूट की सीमा 1.1 लाख रुपये है (भारत की दर का एक-सातवां)। बांग्लादेश में यह 2.45 लाख रुपये है (भारत की दर का लगभग एक-पांचवां) और श्रीलंका में 3.48 लाख रुपये है (भारत की दर का थोड़ा कम एक-चौथाई)। जाहिर है कि भारत में टैक्स छूट की दर बहुत ज्यादा है। इसलिए, भारत एक त्रुटिपूर्ण लोकतंत्र है। इसने सामान्य सामाजिक अनुबंध को तोड़ दिया है। यह अनुबंध यह सुनिश्चित करता है कि जिन लोगों पर टैक्स लगाया जाता है, वे अपने टैक्स के पैसे के गलत इस्तेमाल पर नजर रखें। यह लोकतंत्र या अर्थव्यवस्था के लिए घातक नहीं है। लेकिन यह दिखाता है कि सुधारों की कितनी जरूरत है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1906: यूनान के एथेंस में 10वें ओलंपिक खेलों की शुरुआत।
- 1915: प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जर्मन सेना ने पहली बार जहरीली गैस का इस्तेमाल किया।
- 1921: नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने इंडियन सिविल सर्विस से त्यागपत्र दिया।
- 1931: मिस्र और इराक ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 1958: एडमिरल आर डी कटारी भारतीय नौसेना के पहले भारतीय प्रमुख बनाए गए।
- 1970: दुनिया में पहली बार पृथ्वी दिवस मनाया गया।
- 1983: अंतरिक्ष यान सोयूज टी-8 पृथ्वी पर लौटा।
- 1997: पेरू में जापानी दूतावास में चार माह से चल रही घेराबंदी को समाप्त करने के लिए सेना ने प्रवेश किया।
- 2002: पाकिस्तान में पर्ल हत्याकांड की सुनवाई प्रारम्भ।
- 2004:उत्तर कोरिया में ट्रेनों की भीषण टक्कर, 3000 हताहत।
- 2008: रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन को लुडविग नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 2012: लंदन मैराथन के दौरान 30 वर्षीय महिला प्रतिभागी की अचानक गिरकर मौत।
- 2016: 170 से ज्यादा देशों ने जलवायु परिवर्तन पर पेरिस संधि पर हस्ताक्षर किए। इसे नवंबर 2016 में लागू किया गया।
- 2021: अमेरिका की संसदीय समिति ने चीन सामरिक प्रतिस्पर्धा विधेयक को मंजूरी दी।
- 2021: जापान ने 2030 तक कार्बन उत्सर्जन कटौती का लक्ष्य मौजूदा 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 46 प्रतिशत करने का निर्णय किया।
- 2021: युवा विश्व चैंपियनशिप में फाइनल में पहुंची भारत की सभी सात महिला मुक्केबाजों ने स्वर्ण पदक जीता।
- 2021: नदीम-श्रवण की जोड़ी के संगीतकार श्रवण की कोरोना वायरस संक्रमण से मृत्यु। इस जोड़ी ने 90 के दशक में आशिकी, साजन, परदेस और राजा हिंदुस्तानी जैसी फिल्मों में मधुर संगीत दिया।

कला सशक्त माध्यम है दुनिया को खूबसूरत बनाने का

■ ललित गर्ग

क ला जीवन को रचनात्मक, सृजनात्मक, नवीन और आनंदमय बनाने की साधना है। कला के बिना जीवन का आनंद फीका अधूरा है। कला केवल एक भौतिक वस्तु नहीं है जिसे कोई बनाता है बल्कि यह एक भावना है जो कलाकारों और उन लोगों को खुशी और आनंद देती है जो इसकी गहराई को समझते हैं। कला अति सूक्ष्म, संवेदनशील और कोमल है, जो अपनी गति के साथ मस्तिष्क को भी कोमल और सूक्ष्म बना देती है। हम जो कुछ भी करते हैं उसके पीछे एक कला छिपी होती है। कला का हर किसी के जीवन में बहुत महत्व है। इसी महत्व के लिये विश्व कला दिवस विभिन्न कलाओं का एक अंतरराष्ट्रीय उत्सव है, जिसे दुनिया भर में रचनात्मक गतिविधि के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कला संघ (आईएए) द्वारा घोषित किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय कला संघ की 17वीं आम सभा में 15 अप्रैल को इस दिवस को घोषित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसका पहला समारोह 2012 में आयोजित किया गया था। इस प्रस्ताव को तुर्की के बेदरी बैकम ने प्रायोजित किया और मैक्सिको की रोजा मारिया बुरीलो वेलास्को, फ्रांस की ऐनी पौरनी, चीन के लियू दावेई, साइप्रस के क्रिस्टोस सिमेयोनिडेस, स्वीडन के एंडर्स लिडेन, जापान के कान इरी, स्लोवाकिया के पावेल क्राल, मॉरीशस के देव चूरामुन और नॉर्वे की हिल्डे रोगनस्कॉग ने सह -हस्ताक्षर किए।

विश्व कला दिवस की 2025 की थीम है 'अभिव्यक्ति का उद्यानः कला के माध्यम से समुदाय का विकास करना'। इस थीम का उद्देश्य कला के माध्यम से सामुदायिक विकास को बढ़ावा देना है। दुनिया भर के कलाकारों के लिए यह एक महत्वपूर्ण दिन है, जिसका मुख्य उद्देश्य कलाकारों और उनकी कला को सुरक्षित, संरक्षित एवं सवंर्धित करना और उन्हें अपनी बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता और नवाचार को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। कला दिवस विश्व में विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। कलाकार कविता, पेंटिंग, मूर्तिकला, नृत्य, संगीत जैसे विभिन्न भौतिक साधनों के माध्यम से अपने विचारों, रचनात्मकता, ज्ञान, भावनाओं और कल्पना का आदान-प्रदान करते हैं। यह दिन हमें अपने आस-पास की प्रकृति में गोता लगाने, उसकी सुंदरता का निरीक्षण करने और अपने आस-पास की छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान देने को प्रेरित करता है। इसके माध्यम से जीवन की खूबसूरती को उकेरने एवं मोहक दुनिया का सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है।

विश्व कला दिवस की तिथि लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन के सम्मान में तय की गई थी, जो इटली के महान चित्रकार, मूर्तिकार, वास्तुशिल्पी, संगीतज्ञ, कुशल यांत्रिक, इंजीनियर और वैज्ञानिक थे। लिओनार्दो अपनी कला की वजह से दुनिया भर में मशहूर थे, दा विंची को विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सहिष्णुता, भाईचारे और बहुसंस्कृतिवाद के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में कला के महत्व के प्रतीक के रूप में चुना गया था। कला और कलाकारों की कलात्मक सोच को सम्मानित और आत्मसात करने के उद्देश्य से ही हर साल यह दिवस मनाया जाता है। रंगों और आकृतियों के माध्यम से भावनाओं को अभिव्यक्त करते हुए, कला जीवन के सार को पकड़ती है, भावनाओं को जगाती है और शब्दों के बिना भी संबंध को बढ़ावा देती है। विंची एक महान कलाकार थे। उन्होंने कई ऐसी पेंटिंग बनाई हैं, जो विश्वभर में प्रसिद्ध हुई हैं। इन सब में 'मोना लिसा की पेंटिंग' के बारे में बच्चे-बच्चे को पता है। लेकिन, विंची ने मोना लिसा के अलावा भी कई विख्यात पेंटिंग बनाई हैं, जिनमें से कुछ हैं - लास्ट सपर, सेल्फ पोर्ट्रेट, द वर्जिन ऑफ द रॉक्स, हेड ऑफ अ वुमेन आदि। उनकी बनाई गई पेंटिंग्स आज भी दुनियाभर के म्यूजियम में रखी हुई हैं, जिन्हें देखने हर साल कई लाख लोग आते हैं।

दुनिया में कला के विविध रंग बिखरे हैं, कई अद्भुत आर्ट फॉर्म्स प्रचलित है। पॉप आर्ट एक खास तरह का आर्ट फॉर्म है, जो सदियों से लोगों का पसंदीदा रहा है। इस तरह के आर्ट फॉर्म में पेंटिंग को एक कल्पना के तहत बनाया जाता है। इसमें पेंटिंग्स के पारंपरिक तरीकों का प्रयोग किया जाता है। कंटेम्परी आर्ट का सीधा मतलब है, ऐसा आर्ट जो हाल के समय में बनाया गया हो। इस तरह के आर्ट में हाल में हुई घटनाओं पर फोकस किया जाता है। कई लोग मानते हैं कि कंटेम्परी आर्ट और मॉडर्न आर्ट एक ही हैं। मगर ऐसा नहीं है, कंटेम्परी आर्ट के उलट मॉडर्न आर्ट के पेंटिंग्स में पारंपरिक तरीकों को फॉलो नहीं किया जाता है। इस तरह के आर्ट फॉर्म में पेंटर्स को छूट होती है, अपनी कल्पना के तहत पेंटिंग्स बनाने की। एब्सट्रैक्ट आर्ट की पेंटिंग्स बनाना एक बहुत मुश्किल और उलझा हुआ काम है। इस तरह के आर्ट में रंगों और अलग-अलग तरह की आकृतियों का इस्तेमाल किया जाता है, जो एक दूसरे में घुली-मिली-सी होती हैं। एब्सट्रैक्ट आर्ट में कलर्स का इस्तेमाल खासतौर पर भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किया जाता है। स्पिरिचुअल आर्ट में अध्यात्म और भक्ति से जुड़ी हुई पेंटिंग्स बनाई जाती हैं। कई बार कलाकार पूरी तरह से भक्ति और अध्यात्म में डूबकर ही इस तरह की पेंटिंग्स को पूरा कर पाते हैं। हर देश में वहां के कल्चर, अध्यात्म, आस्था और भगवान के अनुसार स्पिरिचुअल आर्ट्स बनाए जाते हैं।

संगीत भी कला का माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं, ये कला के बेजोड़ नमूने है। भारत में संगीत का हजारों वर्षों का इतिहास है, शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास भक्ति संगीत एवं साहित्य विलक्षण उदाहरण हैं।

कठपुतली भी कला का ही एक नमूना है, लकड़ी अर्थात काष्ठ से इन पात्रों को निर्मित किये जाने के कारण अर्थात् काष्ठ से बनी पुतली का नाम कठपुतली पड़ा। पुतली कला कई कलाओं का मिश्रण है, जिसमें- लेखन, नाट्य कला, चित्रकला, वेशभूषा, मूर्तिकला, काष्ठकला, वस्त्र-निर्माण कला, रूप-सज्जा, संगीत, नृत्य आदि। भारत में यह कला प्राचीन समय से प्रचलित है, जिसमें पहले अमर सिंह राठौड़, पृथ्वीराज, हीर-रांझा, लैला-मजनूं, शीरी-फरहाद की कथाएँ ही कठपुतली खेल में दिखाई जाती थीं। भारत में प्राचीन समय से नृत्य की समृद्ध परम्परा चली आ रही है। नृत्य के अनेक प्रकारों में कथकली प्रमुख है, मोहिनीअट्टम नृत्य भी केरल राज्य का है। मोहिनीअट्टम नृत्य कलाकार का भगवान के प्रति अपने प्यार व समर्पण को दर्शाता है। ओडिसी ओडिशा राज्य का प्रमुख नृत्य है। यह नृत्य भगवान कृष्ण के प्रति अपनी आराधना व प्रेम दर्शाने वाला है। कुचिपुड़ी नृत्य की उत्पत्ति आंध्रप्रदेश में हुई, इस नृत्य को भगवान मेला नटकम नाम से भी जाना जाता है। भारत के विभिन्न नृत्यकलाओं में निपुण अनेक नर्तकों एवं नृत्यांगनाओं ने पूरी दुनिया में भारतीय नृत्य कलाओं का नाम रोशन कर रहे हैं। जिनमें सोनल मानसिंह, यामिनी कृष्णामूर्ति, केलुचरण महापात्रा आदि चर्चित नाम है।

सब लोग किसी न किसी कला में उस्ताद ज़रूर होते हैं। जैसेकि लेखक, कवि, नाटककार, संगीतज्ञ, गीतकार, नृत्यकार आदि। आज के युवा बहुत-सी कलाओं को दुनिया के सामने ला रहे हैं, जो सबको अचंभे में डाल देती है। दुनिया भर की इन्हीं कलाओं को बढ़ावा देने और जो लोग कला का महत्व नहीं समझते, उन्हें कला के अलग-अलग रूपों से मिलवाने के लिए ही विश्व कला दिवस मनाया जाता है। लेकिन, जब हम कला दिवस की बात करते हैं तो यहां कला का अर्थ है पेंटिंग्स।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आत्म सम्मान मनुष्य के दुर्गुणों को बस में रखने की पहली लगाम है।

- बेकन

निशाना

नहीं मानते ट्रंप !

रह रह कर शिगूफा ।
नहीं मानते ट्रंप ।।
बोल बोल कर दुनिया में ।
ला रहे भूकंप ।।
हर पल नया तमाशा ।
अर्थ क्षेत्र पर मार ।।
इस टैरिफ ने उनके ।
कर दिया प्रहार ।।
उथल पुथल बाजार में ।
हाहाकार है छाया ।।
उनके जो प्रतिद्वंदी ।
कर रहे सफाया ।।
आगे बढ़ने की ललक ।
धुन है अलग सवार ।।
लेकिन दुनिया धीरे धीरे ।
बनी होशियार ।।

- कृष्णेन्द्र राय

नरवाई जलाने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश

कोई भी राजस्व प्रकरण रीडर की आईडी पर पेंडिंग न रहे : कमिश्नर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कमिश्नर कृष्णगोपाल तिवारी ने संभाग के हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले के कलेक्टर को निर्देश दिए की अपने तहसील स्थित एसडीएम एवं तहसीलदार कोर्ट का निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि कई राजस्व प्रकरण तहसीलदार के रीडर की आईडी पर पेंडिंग रहते हैं, यह स्थिति चिंता जनक है। कमिश्नर ने निर्देश दिए की किसी भी रीडर की आईडी पर राजस्व प्रकरण पेंडिंग ना रहे, अगर ऐसी स्थिति निर्मित होती है तो रीडर और तहसीलदार के विरुद्ध नियम अनुसार कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए।

कमिश्नर ने कहा कि स्वामित्व योजना के पट्टे में महिला एवं पुरुष दोनों का नाम पट्टे पर अंकित किया जाए। साथ ही जो पटवारी स्व प्रेरणा से राजस्व रिकॉर्ड में कुछ करेक्शन करना चाहते हैं तो सभी एसडीएम ऐसे प्रकरणों का आरसीएमएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से प्रविष्टी कराए। कमिश्नर ने

राजस्व संग्रहण की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने ने लोक सेवा गारंटी, सीपीग्राम पोर्टल एवं जनसुनवाई तथा सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। सभी कलेक्टर को कहा नरवाई जलाने वाले व्यक्तियों के विरुध प्रभावी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। ऐसे व्यक्तियों को नोटिस देकर स्पष्टीकरण पूछा जाए एवं उन पर अनिवार्य रूप से पेनल्टी भी लगाई जाए। गेहूं एवं मूंग की फसल को रिफ्लेक्स करते हुए किसानों को मक्का की फसल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। कमिश्नर ने कहा कि मक्का की फसल लगाने से नरवाई जलाने की घटना में कमी आएगी और जिससे जमीन के पोषक तत्व सुरक्षित रहेंगे। जमीन संरक्षित रहेगी, उपार्जन पर दबाव कम होगा। तथा इस बीच नहरो की मरम्मत सुधार एवं साफ सफाई करने का समय भी मिल सकेगा। कमिश्नर ने निर्देश दिए की नरवाई जलाने की घटना की रोकथाम के लिए किसानों के बीच हैपी सीडर, और सुपर सीडर यंत्र का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए।

कमिश्नर ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में निर्देश दिए की आगामी बारिश में पशुओं के सड़कों पर बैठने की समस्या व्यापक रूप से उत्पन्न होगी इसके लिए अभी से ही सभी गौशालाओं में सुधार किया जाए और उन्हें पशुओं के रहने के लायक बनाया जाए। दुधारू पशु होंगे तो उनकी देखभाल पशु मालिक करेंगे, इससे सड़कों पर निराश्रित पशुओ के विचरण करने की समस्या से भी निजात मिलेगी।

कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए की वह अपने जिले में जितनी नल जल योजनाएं हैं उसे शीघ्र ही समय सीमा में पूर्ण कराए साथ ही जो नल जल योजनाएं फेल हो गई है, उसे ठीक कर सक्सेस करें। कमिश्नर ने कहा कि पेयजल संकट के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना, बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी, हरदा कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ऑनलाइन एवं संयुक्त आयुक्त विकास जी सी दोहर ऑफ़लाइन उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने माखन नगर एवं नर्मदापुरम में किया खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण

संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर व्यवस्थित गेहूं खरीदी के निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में समर्थन मूल्य पर उपार्जन का कार्य सुचारू रूप से जारी है। नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने सोमवार को जिले के माखन नगर एवं नर्मदापुरम स्थित उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने समिति प्रबंधक, स्व सहायता समूह, तथा उपार्जन संबंधित अधिकारियों से अब तक हुई स्लॉट बुकिंग के विरुद्ध की गई खरीदी, परिवहन, हैंडलिंग की जानकारी ली। उन्होंने वेयरहाउस का बारीकी से अवलोकन कर खरीदी गई उपज की स्टेकिंग भी देखी। उन्होंने खरीदी केंद्रों पर लगी ट्रैक्टर ट्रालियों की कतार के संबंध में भी अधिकारियों एवं समिति प्रबंधक से जानकारी ली।

इस दौरान उन्होंने राधे वेयरहाउस, आरती वेयरहाउस, नर्मदा कृपा वेयरहाउस, बाबा लॉजिस्टिक्स तथा कृषि उपज मंडी माखन नगर, शिव शक्ति एग्रो वेयरहाउस एवं किसान वेयरहाउस नर्मदापुरम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए सभी मूलभूत सुविधा के अतिरिक्त छन्ना, पंखा, एफएक्यू, नॉन एफएक्यू फसल की भी जांच की।

कलेक्टर सुश्री मीना ने सबसे पहले माखननगर तहसील के राधे वेयरहाउस में बने हुए उपार्जन केंद्र के निरीक्षण किया। इस दौरान पंखा, छन्ना की अनुपलब्धता एवं अव्यवस्थित ढंग से उपज का भंडारण करने पर उपार्जन केंद्र प्रभारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने इस दौरान शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार उपार्जित स्कंद की मौके पर जांच भी की। उन्होंने गूजरवाड़ा स्थित आरती वेयरहाउस पहुंचकर गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्र प्रभारी को निर्देश दिए की रेडी टू ट्रांसपोर्ट स्कंद तथा उनके परिवहन में किसी भी प्रकार का विलंब न करें जिससे किसानो को उपज के भुगतान में अनावश्यक देरी न हो। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने नर्मदा कृपा वेयरहाउस पहुंचकर उपार्जित की गई स्कंद का निरीक्षण कर उपार्जन केंद्र प्रभारी को निर्देशित किया की हम्मालों की संख्या बढ़ा कर उपार्जित माल की शीघ्र स्टेकिंग की जाए। इस दौरान कलेक्टर ने बाबा लॉजिस्टिक वेयरहाउस एवं कृषि उपज मंडी माखननगर पहुंच कर उपार्जन प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए की केंद्रों पर पीने के पानी के लिए पेयजल एवं उचित छांव की व्यवस्था की जाए।

नर्मदापुरम स्थित शिव शक्ति एग्रो वेयरहाउस पहुंचकर कलेक्टर ने वेयरहाउस का बारीकी से निरीक्षण कर उपार्जित स्कंद की अव्यवस्थित तरीके से रखी हुई बोरियों पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए डीआरसीएस नर्मदापुरम को निर्देशित किया कि संबंधित उपार्जन केंद्र प्रभारी को नोटिस जारी किया जाए तथा शीघ्र ही उपार्जित स्कंद की स्टेकिंग करवाई जाए।

विज्ञान मंथन के लिए स्कूल का दल रवाना

चयनित छात्र-छात्राएं चंडीगढ़-दिल्ली के वैज्ञानिक संस्थानों का करेंगे भ्रमण

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

प्रदेश शासन की एमपी काउंसलिंग ऑफ साइंस टैक्नालॉजी विज्ञान भवन भोपाल द्वारा कक्षा नौ से बारहवीं के छात्रों के लिए आयोजित विज्ञान मंथन यात्रा 21 अप्रैल से शुरू हो चुकी है। इस वर्ष विज्ञान मंथन यात्रा के लिए विदिशा जिले से चयनित कुल 35 छात्रों में से स्थानीय सैंट एसआरएस पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल से सर्वाधिक 28 छात्रों एवं संस्था की विज्ञान शिक्षिका प्रियंका अग्रवाल का चयन हुआ है। स्थानीय रेलवे स्टेशन से विज्ञान मंथन यात्रा के लिए चुने गए छात्र-छात्राओं एवं विज्ञान शिक्षिका प्रियंका अग्रवाल को विद्यालय परिवार द्वारा शुभकामनाएं देकर रवाना किया। इस अवसर पर संस्था के डायरेक्टर केएस. यादव ने विज्ञान मंथन यात्रा के लिए चयनित शिक्षिका प्रियंका अग्रवाल और छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे सभी वैज्ञानिक संस्थानों का भ्रमण करने, वर्तमान में हो रहे वैज्ञानिक शोध एवं आधुनिक तकनीक से अवगत होने के साथ विज्ञान के क्षेत्र में समाज और देशहित में नये वैज्ञानिक शोध और प्रयोग कर अपने माता पिता और अपने शहर का नाम रोशन करें। यात्रा को रवाना करते समय विद्यालय परिवार के शिक्षक उपस्थित थे।

सिटी मजिस्ट्रेट रावत ने की घाट पर साफ सफाई

सौभाग्यशाली हूं मुझे नर्मदा घाटों की सफाई का मौका मिला : रावत

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा के घाटों पर सभी को साफ सफाई करने में हिस्सेदारी करना चाहिए। समाज यह काम कर रहा है यह अद्वितीय है अविश्वणीय है । घाटों पर सफाई करने का सौभाग्य मुझे मिला है । यहां बाहर के लोग अमावस्या, पूर्णिमा और तीज त्योहार पर स्नान करने आते हैं यह पवित्र स्थान है और मैं सौभाग्यशाली हूं जो आज इस कार्य में शामिल हुआ है। यह बात अखिल भारतीय कायस्थ समाज द्वारा हर रविवार साफ-सफाई अभियान के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट विजेंद्र रावत ने चित्रगुप्त घाट पर कहीं। रावत ने कहा कि मैं बड़ा सौभाग्यशाली हूं कि आज मुझे मां नर्मदा के घाटों की साफ सफाई करने का मौका मिला है। अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति ने चित्रगुप्त घाट पर साफ सफाई कर कचरा डस्टबिन में डाला। अखिल भारतीय कायस्थ समाज द्वारा यह

कार्य किया जा रहा है इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं शुभकामना देता हूं। मैं मां नर्मदा के तट पर कार्य कर रहा हूं मैं सौभाग्यशाली मानता हूं । घाट सहित शहर को साफ रखना है । इस मौके पर अशोक वर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा,सी बी खरे,केशव देव वर्मा, अश्वनी वर्मा, आदित्य,लालता प्रसाद, श्रीमती मंजू श्रीवास्तव, श्रीमती प्रीति खरे, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती शीतल श्रीवास्तव, श्रीमती सारिका सक्सेना, श्रीमती ऊषा वर्मा, श्रीमती रश्मि वर्मा, श्रीमती सुमन वर्मा आशी श्रीवास्तव, विधी श्रीवास्तव, आर्या श्रीवास्तव सहित अन्य

मां नर्मदा में ना डालें कपड़े, पूजन सामग्री -अशोक वर्मा

इस मौके पर अखिल भारतीय कायस्थ समाज के पदाधिकारी अशोक वर्मा ने कहा कि मां नर्मदा में पूजन सामग्री और कपड़े नहीं डालना चाहिए। स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं को इसके लिए डस्टबिन का उपयोग करना चाहिए। मां नर्मदा में हमें पूजन पाठ के साथ उन्हें साफ स्वच्छ रखना है । घाटों पर गंदगी ना फैलाएं । सीढ़ियों के किनारे कचरा आदि न डालें । हमें शहर सहित घाट को स्वच्छ बनाना है। घाटों से ही हमारे शहर की शोभा है ।

हम नर्मदा की सफाई रखें ताकि बहती रहे अविरल धारा -रश्मि वर्मा

चित्रगुप्त घाट पर रविवार को साफ सफाई अभियान के दौरान पदाधिकारी रश्मि वर्मा ने कहा कि हमें नर्मदा की साफ सफाई रखना चाहिए ताकि अविरल धारा बहती रहे और सब हम उनका उपयोग कर सके । मां नर्मदा की पूजन पाठ के साथ साफ सफाई भी हमें रखना चाहिए । समाज की पदाधिकारी उषा वर्मा ने कहा कि मां नर्मदा कल कल बहती रहे इसके लिए हमें उन्हें शुद्ध रखना है, साफ रखना है। गंदगी नहीं फैलाना है।

पश्चिम बंगाल के धार्मिक उन्माद को लेकर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के सदस्यों ने जिला कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदय के नाम से एक ज्ञापन सौंपा गया जिसमें पश्चिम बंगाल में बढ़ते हुए धार्मिक उन्माद पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया की शोषण अन्याय अत्याचार देश की एकता खंडात के लिए नासूर बनते जा रहे हैं चाहे किसी जाति या धर्म की महिला हो उसके साथ अन्याय बलात्कार हो रहा है जो इंसानियत के साथ अत्याचार है सरकार की निरंकुशता इस बात की घोतक है की दूषित राजनीति को प्रोत्साहित किया जा रहा है जो भारतीय लोकतंत्र के लिए घातक सिद्ध हो रही संस्था द्वारा यह निवेदन किया गया कि पश्चिम बंगाल में शीघ्र राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए ताकि वहां निवास कर रहे जनमानस राहत की

सांस लेते हुए सुख शांति से अपना जीवन यापन कर सके. उक्त ज्ञापन तहसीलदार प्रभारी दिव्यांशु नामदेव को अध्यक्ष अरुण दीक्षित द्वारा सोपा गया संस्था के अशोक दीवोलिया धर्मेंद्र तिवारीमोहम्मद अकरम खान केएन त्रिपाठी डॉ मोहम्मद आदिल फाजली केके शर्मा डॉ मयंक तोमर संजीव शर्मा जयबाला निगम के साथ अन्य सदस्य उपस्थित हुए.

समाजसेवी मगन दुबे का मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने किया सम्मान

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा देशभर में वक्फ संसोधन विधेयक जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत विश्राम गृह के पास एक नुक्कड सभा का आयोजन कर वक्फ संशोधन कानून के लाभ बताये गये। नवीन वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में द्वारा चलाए जा रहे जन जागृति अभियान के तहत मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने देशवासियों से अपील की है कि विरोध करना उनका संवैधानिक अधिकार है परंतु इस नए वक्फ संशोधन बिल का विरोध करने से पहले वो कानून को पढ़े और समझे

फिर कानून के बारे में कुछ कहें किसी भी देश विरोधी साजिश की टूलकिट का हिस्सा ना बने। वरिष्ठ नेता समीर किरमानी ने कहा इस कानून से कब्रिस्तान दरगाह मस्जिद व इमाम किसी को कोई खतरा नही है किसी को अगर खतरा है तो वो वक्फ माफिया को है। देश को आजादी तो सन 1947 में मिल गई लेकिन कौम को वक्फ माफिया से आजादी इस नए कानून से मिलेगी। इसलिए पूरे देश मे मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ गोष्ठियां और सभाएं कर रहा है।

इस अवसर पर इस साल का इन्द्रेश कुमार गौ सेवा सम्मान से समाजसेवी मगन दुबे को शाल श्रीफल व पुष्प मालाऐ पहनाकर सम्मान किया गया।

मेट्रो एंकर जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किया जा रहा काम

ग्राम सनखेड़ा में तालाब गहरीकरण के लिए सोहागपुर विधायक के साथ किया श्रमदान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आज ग्राम सनखेड़ा में सामूहिक श्रमदान का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण को बढ़ावा देना एवं तालाब के माध्यम से भूमिगत जल का पुनर्भरण सुनिश्चित करना है।

इस महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम में सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह राजपूत, इटारसी एसडीएम श्री टी. प्रतिक राव, ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और तालाब के गहरीकरण कार्य में

श्रमदान कर योगदान दिया।

कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण को लेकर गंभीर चर्चा की गई तथा तालाब के माध्यम से भू-जल स्तर को सुधारने की भविष्य की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श हुआ। अधिकारियों ने ग्रामवासियों से आह्वान किया कि वे इस अभियान में लगातार सहभागिता कर जल स्त्रोतों के संरक्षण में सहयोग करें।

ग्राम गनेरा में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत तालाब पर किया गया श्रमदान

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम गनेरा में नव-निर्मित तालाब पर श्रमदान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम वासियों एवं सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं ने तालाब का गहरीकरण कर जल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम के दौरान विकासखंड समन्वयक नरेंद्र देशमुख ने उपस्थित जनसमूह को 30 मार्च से 30 जून तक चलने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी दी और सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि यह महा अभियान प्रदेश भर में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संचालित किया जा रहा है, जिसमें जनभागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस मौके पर सरपंच संघ अध्यक्ष कृष्णकुमार झा ने जल संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल बचाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने ग्राम वासियों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें।

लंबित आवेदनों की समीक्षा : संतुष्टिपूर्वक निराकरण तक नजर रखें

शासकीय परिसम्पतियों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराएं : कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में सभी विभागो के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्राप्त शिकायतो, मांग संबंधी आवेदनों का संतुष्टिपूर्वक समाधान होने तक फालोअप पर नजर रखें। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के लंबित आवेदनों पर एल वन स्तर पर ही निराकरण समय सीमा में शत प्रतिशत हो ऐसे कार्यप्रणाली कार्यो के माध्यम से परलिक्षित हो कि व्यवस्थाएं जिलाधिकारी व अधीनस्थ क्रियान्वित करें।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जिले में विभिन्न विभागो की सम्पत्तियों का निर्माण कार्य हुआ है किन्तु उल्लेखित सम्पत्ति राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं है इस कारण से भविष्य में अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पडता है अतः सभी विभाग जिनके द्वारा अधोसंरचनाओं का निर्माण कराया गया है कि जानकारियां संबंधित एसडीएम कार्यालय में निर्धारित प्रारूप में दर्ज कर उपलब्ध कराएं ताकि राजस्व अभिलेखों को अपडेट किया जा सके। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को विशेष तौर पर निर्देश दिए है कि नहरो के निर्माण कार्य कराए जाते है इसके लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण कर उपलब्ध कराई जाती है। भू-स्वामित्वों को मुआवजा राशि भी दी जाती है किन्तु नहर की जानकारी शासकीय अभिलेखो में दर्ज नहीं पाई गई है। अतः जल संसाधन विभाग के माध्यम से जिले में जो भी बडे छोटे बांध तालाब अथवा नहरो का निर्माण कराया गया है कि समुचित जानकारी संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी के साथ-साथ जिला कार्यालय को उपलब्ध कराएं ताकि राजस्व अभिलेखो में सम्पत्तियां अंकित की जा सकें। इसी प्रकार के निर्देश अन्य विभागो के द्वारा शासकीय भवनो के निर्माण कार्यो के सम्पादन उपरांत दर्ज नहीं कराई गई है तो वे विभाग भी शीघ्रतिशीघ्र पूर्व उल्लेखित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करेंगे।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन और वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त होने वाले पत्रो का समय सीमा में जबाव दाखिल कर जिला कार्यालय को सूचित करें। सीएम हेल्पलाइन की सी और डी ग्रेड सूची में जिले का एक भी विभाग शामिल ना हो यदि ऐसा पाया जाता है तो उन विभागो के जिलाधिकारियों खासकर एल वन स्तर के अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने ततसंबंध में समस्त एसडीएमो को निर्देशित किया है कि स्थानीय स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा बैठको के माध्यम से सीएम हेल्पलाइन के आवेदनो के निराकरणो पर सतत नजर रखें। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जिला एवं खण्ड स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि विभागीय ग्रामीण क्षेत्रो में संचालित कार्यालयों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए इसके लिए उन्होंने जल निगम के माध्यम से नल जल योजना के कार्य संपादित किए जा रहे है अतः सभी कार्यालयो में नल कनेक्शन कराए जाएं और निर्धारित मासिक जल किराया जमा कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ऐसे ग्रामीण क्षेत्र जहां अब तक नल जल योजना संचालित नहीं हो रही है उन क्षेत्रो में ग्राम पंचायतो के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्थाएं क्रियान्वित की जा रही है अतः उक्त कार्य संबंधित ग्राम पंचायतो के माध्यम से संपादित कराया जाए। जरूरत के अनुसार सामग्री की आपूर्ति विभाग चाहे तो स्वंय भी कर सकते है यदि पंचायतो के माध्यम से यह कार्य कराया जाएगा तो सामग्री की राशि उल्लेखित विभाग को देय होगी और हर महीने निर्धारित जलकर देना होगा।

फसल अवशेष (नरवाई) जलाने वालों के विरुद्ध जिला प्रशासन हुआ और सख्त सिरोंज में नरवाई जलाने वाले दो किसानों पर ढाई-ढाई हजार रुपये का अर्थ दंड

सिरोंज। विदिशा जिले में फसल अवशेष (नरवाई) जलाने वालों के विरुद्ध कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर के निर्देशन में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो किसानों के विरुद्ध कुल पांच हजार रुपये का अर्थ दंड किया गया है। सिरोंज एसडीएम हर्षल चैधरी ने बताया कि सिरोंज तहसील के ग्राम धरमपुर में रकवा क्रमांक 55/2 रामबाबू पुत्र बारेलाल यादव निवासी सिरोंज के विरुद्ध ढाई हजार रूपए का अर्थदण्ड तथा कस्बा सिरोंज 445/2/1 बटियादार युसूफ खॉन पिता बुनियाद अली मंसूरी के द्वारा नरवाई जलाने पर ढाई हजार रूपए अर्थदण्ड वसूली की कार्यवाही की गई है। गौरतलब हो कि जिले में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर कृषि से संबंधित मैदानी अधिकारियों एवं राजस्व विभाग के पटवारियों द्वारा पंचायत सचिवों के साथ समन्वय कर कृषक संवाद कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं तथा किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसानों से किसानों को अवगत कराया जा रहा है। प्रशासन द्वारा किसानों से अपील की जा रही है कि नरवाई न जलाएँ, नरवाई जलाने से पर्यावरण को नुकसान होता है। किसान यदि नरवाई जलाता है तो राज्य शासन के नोटिफिकेशन प्रावधान अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा उक्त अधिसूचना अंतर्गत नरवाई में आग लगाने के विरुद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि दण्ड का प्रावधान निर्धारित किया गया है। ऐसा कोई व्यक्ति, निकाय, कृषक जिसके पास 2 एकड़ तक की भूमि है तो उनको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में ढाई हजार रुपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा। जिसके पास 2 से 5 एकड़ तक की भूमि है तो उनको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में पांच हजार रुपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा तथा जिसके पास 5 एकड़ से अधिक भूमि है तो उनको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 15 हजार प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा।

प्रत्येक गांव का रिकार्ड संधारित करें

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने समस्त विभागो के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारियो को निर्देश दिए है कि हरेक गांव में किस-किस योजना के तहत किन-किन हितग्राहियों को लाभांवित किया गया है उक्त रिकार्ड सभी विभाग अपने स्तर पर तैयार कर संबंधित जनपद व एसडीएम कार्यालय तथा जिला कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे ताकि यह आंकलन हो सकें कि सर्वाधिक किस ग्राम में योजनाओं से हितग्राही लाभांवित हो रहे है।

अटल पेंशन

कलेक्टर ने लीड बैंक को निर्देश दिए है कि जिले में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना से लाभांवित होने वाले हितग्राहियों को अटल पेंशन योजना का लाभ प्राप्ति हो इसके लिए अभी से अटल पेंशन योजना की जानकारी दी जाए ताकि योजना के ऐसी महिला हितग्राही जिनकी आयु 60 वर्ष हो जाती है और वे लाडली बहना योजना के आयु सीमा से बाहर हो जाती है ताकि उन्हें योजना का लाभ मिल सकें। बैंक आफीसर ने बताया कि हरेक माह 42 रूपए प्रीमियम राशि 18 वर्ष से 42 आयु वर्ग तक जमा करने पर एक हजार रूपए पेंशन की राशि संबंधित हितग्राही को प्राप्त होगी।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने किया विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने कलेक्टेव्रट परिसर के भूतल पर संचालित विभागो के कार्यालयों तथा राजस्व विभाग के विभिन्न शाखाओं के कार्यो के कक्षो में पहुंचकर संपादित करने वाले अधिकारी, कर्मचारियो से संवाद कर अद्यतन स्थिति का जायजा लिया है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सम्पूर्ण कलेक्ट्रेट परिसर में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए वहीं शाखा प्रभारियों की केबिन के बाहर शाखा प्रभारी का नाम व मोबाइल नम्बर अनिवार्य रूप से अंकित किया जाए इसी प्रकार की कार्यवाही के निर्देश जिला कोषालय के निरीक्षण दौरान दिए है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिला कोषालय में संधारित स्ट्रांगरूम का भी निरीक्षण किया वहीं पेंशन कक्ष में पहुंचकर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की पेंशन प्रक्रिया के जानकारी प्राप्त की है। उन्होंने जनसुनवाई कक्ष के सामने आधार केन्द्र स्थापित करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने स्थानीय एवं राज्य निर्वाचन कार्यालय के कक्षो का भी जायजा लिया है।

भ्रमण निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर द्वय श्रीमती मोहिनी शर्मा, सुश्री निकिता तिवारी, अधीक्षक नरेन्द्र भांगरे, नाजिर उदय सिंह हजारी भी साथ-साथ मौजूद रहें।

जॉब रोल्स प्रशिक्षण हेतु आवेदन 25 तक आमंत्रित युवा मिशन सुभाष के तहत विशेष अवसर

सिरोंज। विदिशा प्रदेश के युवाओं में दक्षता के साथ-साथ जर्मनी जाने के खास अवसर युवा मिशन सुभाष की पहल के तहत उपलब्ध कराया जा रहा है। मध्यप्रदेश शासन का उत्कृष्ट संस्थान संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क के माध्यम से उच्च मांग वाले जॉब रोल्स के लिए प्रशिक्षण हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल है। आईटीआई प्राचार्य अनुराग प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि छह पाठ्यक्रमों में क्रमशः 25-25 सीटो के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक, मेकाट्रॉनिक्स टैक्नीशियन, कंक्रीटर, राजमिस्त्री/ब्रिकलेयर, सडक निर्माण और मेटर वर्कर शामिल है। प्रशिक्षण हेतु चयनित सभी उम्मीदवारो को प्रशिक्षण शत प्रतिशत निःशुल्क मुहैया कराया जाएगा जिसमें जर्मन भाषा कक्षाएं, व्यवसायिक प्रशिक्षण, परीक्षा शुल्क एवं पाठ्य सामग्री शामिल है। आईटीआई प्रिंसिपल श्री श्रीवास्तव ने बताया कि उल्लेखित विधाओं में प्रशिक्षण प्राप्ति के लिए जो पात्रता मापदण्ड तय किए गए है उनमें आवेदक की आयु 20 से 26, योग्यता आईटीआई, डिप्लोमा या व्यवसायिक प्रमाण पत्र, दो वर्ष का अनुभव या फेशर भी पात्र होंगे। जर्मन भाषा सीखने के लिए पूर्णकालिक समर्पण अनिवार्य है। वैध पासपोर्ट एवं पुलिस क्लीयरेंस प्रमाण पत्र आवश्यक है। ततसंबंध में अन्य जानकारी के लिए 9981919733 या दूरभाष क्रमांक 0755-2706205 पर सम्पर्क कर अथवा admission.gsp@mp.gov.in पर लॉगिग कर आवेदन करने की प्रक्रिया व तमाम जानकारी प्राप्त कर सकते है।

कोर्ट परिसर में आज पक्षियों के लिए पानी के सकोरे लगाए जाएंगे

सिरोंज। विदिशा ग्रीष्मकालीन मौसम को दृष्टिगत रखते हुए पक्षियों के पीने के लिए पानी की व्यवस्था हेतु जिला न्यायालय परिसर में मंगलवार 22 अप्रैल की प्रातः 10.15 बजे से न्यायाधीशगण और अधिवक्तागण द्वारा पक्षियों के लिए पानी के सकोरे लगाए जाने का पुनीत कार्य किया जाएगा।

आरबीएसके योजना में छोटी बच्ची हेमलता का हृदय रोग का निःशुल्क ऑपरेशन हुआ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आरबीएसके योजना अंतर्गत विदिशा जिले के सिरोंज तहसील के ग्राम पारधा की तीन वर्ष आठ माह की छोटी बच्ची हेमलता अहिरवार का जन्मजात हृदय रोग टीओएफ का सफल ऑपरेशन एलएन मेडिकल कॉलेज एवं जेके हॉस्पिटल भोपाल में हुआ है। योजना अंतर्गत बच्ची को मिले निशुल्क स्वास्थ्य उपचार से वह अब पूर्ण रूप से स्वस्थ है और अपनी मां रचना अहिरवार और पिता लेखराज अहिरवार की गोद में खुशी-खुशी खेल रही है।

15 अक्टूबर 2024 को लेखराज अहिरवार के घर एक पुत्री का जन्म हुआ। परिवार पुत्री के जन्म पर बेहद खुश था। बच्ची के जन्म के कुछ समय बीतने के बाद बच्ची के पूर्ण रूप से स्वस्थ नहीं पाए जाने पर डॉक्टर से जांच कराई। शारीरिक विकास अपेक्षित रूप से नहीं हो पा रहा था एवं शारीरिक दुर्बलता के रहते अन्य समस्याएं बच्ची को होने लगी थी। वह खेलते खेलते हांपने लगती थी और थक कर बेहोश हो जाती थी। आरबीएसके टीम ने आशा कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से बच्ची को संज्ञान में लेकर उसकी स्क्रीनिंग की। बच्ची को तुरंत उपचार की आवश्यकता थी। टीम द्वारा बच्ची को जिला अस्पताल में जांच एवं उपचार हेतु भेजा गया। परिजन बच्ची को लेकर जिला अस्पताल स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र में आए, जहां सोशल वर्कर ने रजिस्ट्रेशन के उपरांत जिला चिकित्सालय में चिकित्सा का परामर्श लिया और जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक द्वारा बच्ची को संज्ञान में लेकर आरबीएसके द्वारा चिन्हित हॉस्पिटल में जाकर तुरंत चेकअप कराने की सलाह दी गई। परिजन अपनी इच्छा से बच्ची को एलएन मेडिकल कॉलेज एवं जेके हॉस्पिटल में जांच एवं उपचार के लिए ले गए। अस्पताल में जांच के उपरांत ज्ञात हुआ की बच्ची जन्म जात हृदय रोग के अंतर्गत टीओएफ की समस्या से पीड़ित है एवं शीघ्र ऑपरेशन करना होगा। परिजन रिपोर्ट लेकर जिला चिकित्सालय स्थित केंद्र में आए। जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक ने तत्परता से तुरंत प्रकरण तैयार समस्त औपचारिकताओं के पश्चात परिजनों को अनुमोदन पत्र प्रदान किया और शीघ्र ऑपरेशन कराने की सलाह दी। समस्त तैयारी के उपरांत एक अप्रैल 2025 को आरबीएसके योजना के अंतर्गत बच्ची का सफल ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशन के बाद परिवार का खुशी का ठिकाना ना रहा।

उपचार से पहले

उपचार के बाद

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों के संबंध में बैठक का आयोजन, सिरोंज में हॉकी फुटबॉल स्पर्धा का होगा आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला मुख्यालय एवं प्रत्येक विकासखंड स्तर पर ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बालक बालिका दोनों वर्गो के लिए किया जाना है। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों के संबंध में आज सोमवार को कलेक्टर अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चैबे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में निर्णय लिया गया है कि जिले में 1 मई से 31 मई 2025 तक जिला मुख्यालय एवं समस्त विकास खंडों में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिसमें जिला मुख्यालय पर एथलेटिक स्टेडियम लक्ष्मी नारायण कुशवाह, कुश्ती स्टेडियम सुरेंद्र यादव, फुटबॉल स्टेडियम रविकांत नामदेव, बॉस्केटबॉल स्टेडियम संजय ठाकुर, कराते स्टेडियम भूपेंद्र शर्मा, ताइक्वांडो स्टेडियम विकास थापा, वॉलीबॉल स्टेडियम कुमारी आकांक्षा शर्मा, कबड्डी स्टेडियम श्रीमती ज्योति ठाकुर, हैंडबॉल स्टेडियम श्रीमती प्रिया बमुरिया, हॉकी पुलिस लाइन सतीश रैकवार, मलखंब पौवा नाल श्री पराग अग्रवाल, बैडमिंटन इनडोर हाल स्टेडियम लॉन टेनिस स्टेडियम एवं प्रत्येक विकासखंड में दो-दो खेलो सिरोंज हॉकी फुटबॉल, कुरवाई कबड्डी खो-खो, शमशाबाद एथलेटिक्स कुश्ती, लटेरी एथलेटिक्स वॉलीबॉल, गंजबासौदा कबड्डी ताइक्वांडो बैडमिंटन, ग्यारसपुर कबड्डी एथलेटिक्स के शिविर प्रातः काल एवं सायं काल में आयोजित होंगे, जिसमें खिलाड़ियों को निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। खेलों के चयन स्थान एवं इसके संबंध में रूपरेखा बनाने के लिए उपस्थित खेल संघो के पदाधिकारी वरिष्ठ खिलाड़ियों से चर्चा कर निर्णय लिए गए।

जिला खेल अधिकारी प्रदीप सिंह रावत ने बताया कि इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी आरके ठाकुर, जिला क्रीड़ा अधिकारी संतोष चतुर्वेदी, व्यायाम शिक्षक प्रशांत रघुवंशी, अंबेश सोनी, भूपेंद्र शर्मा, खेल विभाग के श्रीमती ज्योति ठाकुर, समन्वयक हनीफ खान, गोपाल कुशवाहा, ज्योति अहिरवार, केशव शर्मा, अरविंद सिंह राजपूत, नूरजहां बानो, सपना शर्मा विभिन्न खेल संघ के पदाधिकारी दिलीप सिंह थापा, ताइक्वांडो आशीष मोदी, बास्केटबॉल चंद्र बहादुर थापा, फुटबॉल श्री अभिषेक गौतम, पराग अग्रवाल, मलखंब प्रिया बमुरिया, अमित माझी हैंडबॉल लक्ष्मी नारायण कुशवाहा, एथलेटिक्स श्री सतीश रैकवार, हॉकी सूबेदार मेघा शर्मा, सरदार कुशवाहा, नीरज कुशवाहा, हेमंत विश्वकर्मा, ध्रुव लोधी, शैलेंद्र कुशवाहा, नैंसी जैन, पूनम भोई, गौतम गायत्री, अमित शर्मा, कृष्ण कुमार, मयूर भार्गव आदि उपस्थित रहे।

जिला खेल अधिकारी श्री प्रदीप सिंह रावत ने 1 मई 2025 से प्रारंभ होने वाले इस ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में अधिक से अधिक खिलाड़ियों से सम्मिलित होने की अपील की है।

मेट्रो एंकर जन अभियान परिषद द्वारा जिले में जल स्रोतों की साफ-सफाई कर जीर्णोद्धार का कार्य सतत जारी

जल गंगा संवर्धन अभियान तहत बावड़ी की साफ-सफाई कार्यो में जन सहभागिता

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था आवरण सोशल वेलफेयर सोसायटी के तत्वाधान में ग्राम उदयपुर में जल संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत सामूहिक श्रमदान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राम में जल संरक्षण एवं जल स्रोतों के पुनर्जीवन हेतु जनभागीदारी को बढ़ावा देना है।

श्रमदान के अंतर्गत ग्राम के पास स्थित बावड़ी की साफ-सफाई की गई साथ ही सभी ग्राम वासियों व सदस्यों के साथ शपथ का आयोजन कर जल संरक्षण का महत्व बताया एवं जल को संरक्षण करने हेतु प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर संस्था प्रमुख अमित शर्मा ने बताया कि जल ही जीवन है, और वषारूपी जल का संरक्षण भविष्य की जरूरत है। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना की और भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की इच्छा जताई। श्रमदान कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती ममता राठौर परामर्शदाता व सेक्टर सह प्रभारी श्रीमती सीमा शर्मा व एमएसडब्ल्यू, बीएसडब्ल्यू छात्र शैलेंद्र राजपूत, पुष्पराज राजपूत, नेहा लोधी ,पूनम रघुवंशी, ग्रामवासियों, महिला समूहों और संस्था के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

दीवार लेखन से जल गंगा संवर्धन अभियान के संदेशों का प्रसारण

विदिशा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा ग्राम नटेरन में जल संरक्षण संवर्धन को लेकर ग्राम के चैक-चैराहों पर दीवार लेखन किया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में नवांकुर संस्था नटेरन ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नटेरन द्वारा मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे महत्वपूर्ण अभियान जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सेक्टर के ग्राम नटेरन में जल संरक्षण संवर्धन के प्रति जन जागरूता के लिए ग्राम के चैक-चैराहों पर दीवार लेखन कर पानी बचाओ के स्लोगन लिखे गए हैं। दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण और पानी बचाव के लिए दिये जा रहे संदेशों के माध्यम से ग्रामीण जनों को जन जागरूकता का संदेश दिया गया है। ग्रामीण जन भी जल संरक्षण के महत्व को समझकर पानी बचाओ की इस मुहिम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं।

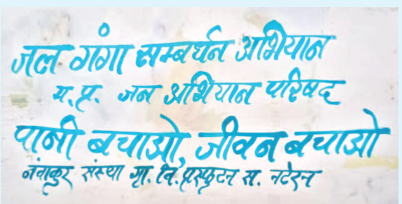

कार्यक्रम का समापन सामूहिक संकल्प के साथ हुआ कि हम जल बचाएंगे, जीवन बचाएंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशन में जल स्रोतों की साफ-सफाई सहित श्रमदान व जीर्णोद्धार का कार्य जिले में क्रियान्वित है। इसी के तहत जिले की जनपद पंचायतों में खेत-तालाब स्वीकृत कार्य भी किये जा रहे हैं, जिनमें स्वीकृत व प्रगतिरत कार्यों की जानकारी इस प्रकार है।

किसी जिले में 1731 खेत तालाबों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिनमें से 931 खेत तालाब स्वीकृत किए गए हैं और 252 खेत तालाब का कार्य प्रगतिरत हैं। जबकि परिषद से प्राप्त लक्ष्य की संख्या 890 है।

शेष अन्य स्वीकृत के तालाबों की शुरुआत भी की जा रही है जल गंगा संवर्धन अभियान जिले में 30 जून तक जारी रहेगा अभियान अवधि में स्वीकृत किए गए कार्यो को पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जनपदवार जानकारी तदानुसार बासौदा में स्वीकृत 150 खेत तालाब में से 25 कार्य प्रगतिरत हैं। ग्यारसपुर जनपद में स्वीकृत कुल 141 खेत तालाब में से 45 कार्य प्रगतिरत हैं। कुरवाई जनपद में स्वीकृत कुल 140 खेत तालाब में से 32 कार्य प्रगतिरत हैं। लटेरी जनपद में स्वीकृत कुल 50 खेत तालाब में से 25 कार्य प्रगतिरत हैं। नटेरन जनपद में स्वीकृत कुल 206 खेत तालाब में से 34 कार्य प्रगतिरत हैं। सिरोंज जनपद में स्वीकृत कुल 80 खेत तालाब में से 37 कार्य प्रगतिरत हैं। विदिशा जनपद में कुल 164 खेत तालाब में से 54 कार्य प्रगतिरत हैं।

इसी प्रकार जल गंगा संवर्धन अभियान वर्ष 2025 में डुगवेल रिचार्ज स्वीकृत कार्यों की जानकारी अनुसार जिले की सातों जनपद पंचायतों में 1391 स्थलों पर डुगबेल रिचार्ज चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से 1026 कार्य स्वीकृत किए गए हैं और 166 कार्य प्रगतिरत है।

आईपीएल : दिल्ली पॉइंट्स टेबल में नंबर-2 पर

इकाना स्टेडियम में आज एलएसजी व डीसी सीजन में दूसरी आमने-सामने

लखनऊ, एजेंसी

आईपीएल का 40वां मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। मैच लखनऊ के भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से शुरू होगा। दोनों टीमें सीजन में दूसरी बार आमने-सामने होंगी। इस सीजन लखनऊ की टीम 8 मैचों में 5 जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में नंबर 5 पर मौजूद है। वहीं शानदार फॉर्म में चल रही दिल्ली ने 7 मैच में 5 जीत दर्ज की है। टीम 10 पॉइंट्स के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। प्लेऑफ के लिहाज से लखनऊ के लिए यह महत्वपूर्ण मैच है।

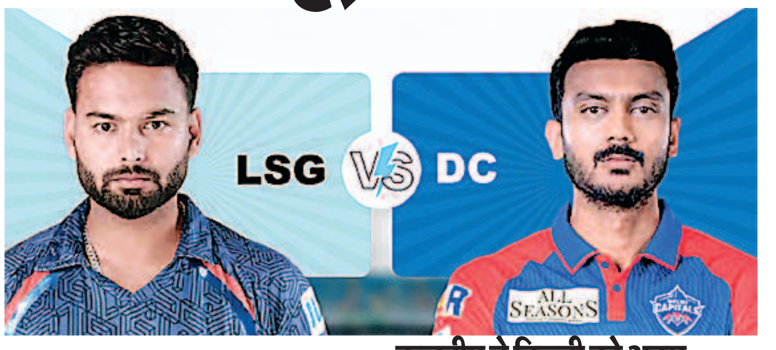

हेड टु हेड में दोनों टीमें बराबरी पर

लखनऊ और दिल्ली दोनों ने आपस में अब तक 6 मैच खेले हैं। 3 में लखनऊ सुपर जायंट्स और इतने में ही दिल्ली कैपिटल्स को जीत मिली है। इसी सीजन 22 मार्च को दिल्ली ने लखनऊ को एक विकेट से हराया था। लखनऊ इस मैच को जीतकर पहली हार का बदला लेने चाहेगी।

पूरन सीजन के टॉप स्कोरर

लखनऊ के लिए निकोलस पूरन शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में खेले 8 मैचों में करीब 53 की औसत 368 रन बनाए हैं। इस दौरान पूरन का स्ट्राइक रेट 200 से ऊपर का रहा। टीम के लिए कप्तान ऋषभ पंत की फॉर्म चिंता का विषय है। उन्होंने अभी तक 8 मैच में केवल 106 रन बनाए हैं जिसमें 63 रन की एक पारी भी शामिल है। उनका स्ट्राइक रेट 98 का रहा है। बॉलिंग डिपार्टमेंट में लखनऊ से शार्दूल ठाकुर ने सबसे ज्यादा 12 विकेट लिए हैं। टीम में दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, आवेश खान जैसे शानदार बॉलर भी है। आवेश ने पिछले मैच डेथ ओवर्स में अच्छी बॉलिंग करके टीम को राजस्थान के खिलाफ 2 रन से जीत दिलाई थी।

कुलदीप ने दिल्ली को अहम मौकों पर विकेट दिलाया

दिल्ली के लिए इस सीजन चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव ने सबसे ज्यादा 12 विकेट लिए हैं। टीम में मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, विपराज निगम और मुकेश कुमार जैसे क्वालिटी बॉलर्स है। कप्तान अक्षर पटेल को बॉलिंग में केवल एक विकेट मिल सका है। लेकिन उन्होंने अहम मौकों पर अच्छी बैटिंग की है। अक्षर ने 159 की स्ट्राइक रेट से 140 रन बनाए हैं। बैटिंग में केएल राहुल अच्छे फॉर्म में है। उन्होंने टीम के लिए सबसे ज्यादा 266 रन बनाए है। इसमें उनकी 93 रन की मैच जिताऊ नाबाद पारी भी शामिल है। टीम के ओपनर्स का फॉर्म अब तक ज्यादा खास नहीं रहा है। फाफ डुप्लेसी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल और करुण नायर को दिल्ली ने बतौर ओपनर आजमाया है। लखनऊ के इकाना स्टेडियम की पिच बैटिंग फ्रैंडली है। इस स्टेडियम में अब तक 18 आईपीएल मैच खेले जा चुके हैं। यहां पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने 8 और चेज करने वाली टीमों ने 9 मैच जीते हैं, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा है। 22 अप्रैल को मैच में बारिश की कोई संभावना नहीं है। वहीं अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। हालांकि खिलाड़ियों को गर्मी परेशान कर सकती है।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-12: लखनऊ सुपर जायंट्स- ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन मार्करम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, दिग्वेश सिंह राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, डोनोवन फरेरा।

कोलकाता को हराकर टेबल टॉपर बनी गुजरात टाइटंस, छठा मैच जीता

बेहतरीन बॉलिंग के दम पर गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 18वें सीजन में छठा मैच जीत लिया। टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 39 रन से हराया, इसी के साथ टाइटंस पॉइंट्स टेबल में टॉप पर भी पहुंच गई। प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान ने 2-2 विकेट लिए। कप्तान शुभमन गिल ने 90 रन बनाए। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में कोलकाता ने बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 3 विकेट खोकर 198 रन बनाए। साई सुदर्शन ने 52 और जोस बटलर ने 41 रन बनाए। जवाब में केकेआर 8 विकेट के नुकसान पर 159 रन ही बना सकी। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 50 रन बनाए। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी गुजरात टाइटंस को कप्तान शुभमन गिल ने मजबूत शुरुआत दिलाई। उन्होंने साई सुदर्शन के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप की। सुदर्शन के विकेट के बाद गिल ने 90 रन बनाए और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। उन्होंने 10 चौके और 3 छक्के लगाए। पावरप्ले में बॉलिंग करने आए राशिद ने पहले ओवर में सुनील नरेन को पवेलियन भेजा। उन्होंने मिडिल ओवर्स में फिर आंद्रे रसेल का बड़ा विकेट भी लिया। डेथ ओवर्स में प्रसिद्ध ने बेहतरीन बॉलिंग की। उन्होंने 1 ही ओवर में रमनदीप सिंह और मोईन अली को पवेलियन भेजा। शुभमन के साथ ओपनिंग करने उतरे सुदर्शन ने सीजन की पांचवीं फिफ्टी लगाई। उन्होंने कप्तान शुभमन के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप भी की।

स्विस ओपन सुपर बैडमिंटन टूर्नामेंट

त्रिषा-गायत्री दूसरे दौर में

बासेल. स्विटजरलैंड, एजेंसी

भारत की त्रिषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने अमरीका की एनी जू और केरी जू को 21-15, 21-12 हराया। अश्विनी पोनप्पा और तनिषा क्रेस्टो ने इंडोनेशिया की राचेल और मीलीसा की जोड़ी को 21-18, 12-21, 21-19 से शिकस्त दी। भारतीय शटलर लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत ने स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। लक्ष्य सेन ने अंतिम-32 में मलेशिया के लियोंग जून हाओ को 21-19, 15-21, 21-11 से हराया। वहीं श्रीकांत ने चीनी ताइपे के वांग तजु-वेई को 21-17, 21-18 से मात दी। महिला एकल में पीवी सिंधू ने अंतिम-32 में थाइलैंड की पोर्नपिचा चोइकीवोंग को आसानी से 21-12, 21-13 से हराया।

महिला टेनिस-कैटरीना को अंतिम-4 में हराया

स्टटगार्ट ओपन के फाइनल में पहली बार पहुंची ओस्टापेंको

स्टटगार्ट. एजेंसी

लात्विया की 27 वर्षीय स्टार खिलाड़ी जेलेना ओस्टापेंको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां स्टटगार्ट ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की 26वें नंबर की खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में रूसी खिलाड़ी कैटरीना एलेक्जेंद्रोवा को 6-4, 6-4 से शिकस्त दी। इस जीत से ओस्टापेंको ने दुनिया की 22वें नंबर की खिलाड़ी कटरीना के खिलाफ अपना रेकॉर्ड भी बेहतर किया। दोनों खिलाडि़यों के बीच अब तक कुल 11 मैच खेले गए हैं। इसमें से ओस्टापेंको ने छह में और कटरीना ने पांच में जीत हासिल की है।

बीते साल फ्रांस के पेरिस में हो चुका है ओलंपिक का आयोजन

2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी

इस साल जुलाई-अगस्त में ओलंपिक का आयोजन फ्रांस के पेरिस शहर में आयोजित होगा। भारत 2023 ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा व्यक्त कर चुका है। भारत सरकार ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की तैयारियां शुरू कर दी है। बताया जाता है कि भारत 2030 में यूथ ओलंपिक और 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। अनुराग ठाकुर ने एक कार्यक्रम में कहा कि जिस पल इसके लिए बोली शुरू होगी, भारत ओलंपिक की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार रहेगा। उन्होंने कहा, हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति हैं और हम उन देशों में हैं जहां युवाओं की ताकत

काफी है। खेल के लिए भारत से बड़ा बाजार और कोई नहीं है। भारत 2030 यूथ ओलंपिक और 2026 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी करने के लिए तैयार है।

विदेशी प्रशंसकों ने की थी धर्मशाला स्टेडियम की तारीफ

जानकारी के अनुसार हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच धर्मशाला में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच को देखने के लिए इंग्लैंड से चार हजार से ज्यादा विदेशी प्रशंसक आए थे और उन्होंने यहां मौजूद इस खूबसूरत स्टेडियम की सराहना की थी।

पेरिस के बाद लॉस एंजिल्स और ब्रिसबेन में हो चुके हैं ओलंपिक

इस साल जुलाई-अगस्त में ओलंपिक का आयोजन फ्रांस के पेरिस शहर में आयोजित होगा। इसके लिए वहां तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इसके बाद इन खेलों की मेजबानी 2028 में लॉस एंजिल्स और 2032 में ब्रिसबेन को करनी है।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग फुटबॉल

एजेक्स पर 3-0 से बड़ी जीत हासिल की

लियोन, एजेंसी

क्वार्टर फाइनल के पहले लेग में चेल्सी ने जबरदस्त प्रदर्शन किया और एजेक्स पर 3-0 से बड़ी जीत हासिल की। चेल्सी के लिए जोएका नुस्केन ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक दो गोल 44वें और 83वें मिनट में दागे। वहीं, 19वें मिनट में लॉरेन जेम्स ने पहला गोल करके टीम को बढ़त दिलाई थी। आठ बार की पूर्व चैंपियन लियोन ने यूएफा महिला चैंपियंस लीग के अंतिम-8 के पहले लेग में बेनफिका को कड़े मुकाबले में 2-1 से शिकस्त दी। 2022 में आखिरी बार चैंपियन बनने वाली लियोन के लिए 79वें मिनट में विजयी गोल सारा दाब्रितेज ने दागा। इससे पहले, तक दोनों टीमों का स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। आंद्रिया फारिया ने हालांकि बेनफिका को 43वें मिनट में बढ़त दिला दी थी लेकिन डेलफिन कास्कारिनो ने 63वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

‘थ्री इडियट्स’ के दिनों को माधवन ने किया याद, कहा- राजू सुनते सबकी हैं, लेकिन करते मन की हैं

साल 2009 में आई फिल्म ‘थ्री इडियट्स’ आज भी आर माधवन के करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक फिल्म है। थ्री इडियट्स को मशहूर निर्देशक राजू हिरानी ने निर्देशित किया था। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान माधवन थ्री इडियट्स की शूटिंग से जुड़े कई दिलस्चप खुलासे किए। थ्री इडियट्स में आर माधवन ने पहली बार निर्देशक राजकुमार हिरानी के साथ काम किया था। अभिनेता ने शूटिंग के दिनों को याद करते हुए कहते हैं, यह फिल्म सिर्फ राजू के लिए ही नहीं हम सबके लिए काफी खास थी। थ्री इडियट्स में हम काफी कुछ अलग कर रहे थे। मुझे अच्छी तरह से याद है कि कैसे फिल्म में बच्चे की डिलीवरी वाले दृश्य को फिल्माया गया था। आर माधवन अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, कई लोगों ने राजू से कहा कि यह दृश्य फिल्म के लिए सही नहीं है इसे फिल्म से हटा दो, लेकिन राजू ने किसी की नहीं सुनी। राजू ने फैसला किया कि फिल्म में वह दृश्य बिल्कुल वैसे ही रखा जाएगा। थ्री इडियट्स में आर माधवन के अलावा आमिर खान और करीना कपूर अहम भूमिका में नजर आए थे। आज भी दर्शकों को फिल्म का ऑल इज वेल डायलॉग याद है। आर माधवन ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म ‘रहना है तेरे दिल में’ से किया था। उन्होंने बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं।

पंकज बोले- आज लोग मुझे मेरे किरदारों के नाम से जानते हैं...

पंकज त्रिपाठी इंडस्ट्री के नामी अभिनेता हैं। कोई भी किरदार वे पूरी शिद्दत से अदा करते हैं। उन्होंने वर्ष 2004 में फिल्म ‘रन’ से डेब्यू किया। हालांकि, इंडस्ट्री में अपनी पहचान कायम करने में पंकज त्रिपाठी को काफी वक्त लग गया। फिल्म ‘गैंग्स ऑफ वासेपुर’ से वे दर्शकों की नजरों में आए। इसमें सुल्तान कुरैशी के रूप में पंकज त्रिपाठी की भूमिका को काफी सराहा गया। इसके बाद से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पंकज त्रिपाठी बॉलीवुड फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म के भी चहेते स्टार बन चुके हैं। हाल ही में उन्होंने अपने करियर पर बात की। पंकज त्रिपाठी का कहना है, अगर आज लोग मुझे मेरे किरदारों के नाम से पुकारते हैं तो यह मुझे बेहद अच्छा लगता है। हालांकि, शुरुआत में करीब छह-सात साल पहले मुझे बुरा लगता था, जब लोग मेरा नाम नहीं जानते थे। अभिनेता ने आगे बताया, लोग पूछते थे, आप एक्टर हो, उस फिल्म में सुल्तान का रोल किया था। मेरी हमेशा से ख्वाहिश थी कि लोगों को मेरा नाम मालूम हो और आज, हर कोई मेरा नाम जानता है। वे मेरे किरदारों से इतना प्यार करते हैं।

अभिनेत्री अमृता की सास व ननद सैफ को मारा करती थीं ताना...

सैफ अली खान और अमृता सिंह एक दौर में बॉलीवुड के पॉपुलर कपल थे. ना सिर्फ वे अलग-अलग धर्म से ताल्लुक रखने की वजह से चर्चा में थे बल्कि दोनों के बीच 12 साल की उम्र का फासला था. सैफ अली खान और अमृता सिंह ने 1991 में शादी की थी. रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों ने अपने घरवालों के खिलाफ जाकर शादी की थी. उस दौर में अमृता का करियर पीक पर था, वहीं सैफ अली खान ने तब डेब्यू भी नहीं किया था. अमृता सिंह और सैफ अली खान के बीच 12 साल का फासला होना, उस दौर के लिए आम बात नहीं थी और ऐसे में दोनों की शादी ने काफी सुर्खिया बटोरी. हालांकि दोनों का रिश्ता 13 साल तक ही चल पाया और इसके बाद सैफ और अमृता ने डिवोर्स लेकर अपनी रास्ते अलग कर लिए. उस वक्त उनके तलाक की वजह दोनों के उम्र में फर्क को बताया गया. लेकिन असल वजह कुछ और ही थी.

सुसराल वालों से ऐसा था अमृता का बर्ताव: मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अमृता सिंह के अपने ससुराल वालों के साथ रिश्ते ठीक नहीं थे. एक्ट्रेस का अपनी सास शर्मिला टैगोर के साथ बर्ताव ठीक नहीं था और ना ही उनकी ननद सबा अली खान और सोहा अली खान से बनती थी. इसके अलावा सैफ अली खान और अमृता के बीच भी रिश्ता ठीक नहीं चल रहा था. अमृता अक्सर सैफ अली खान को ताने मारा करती थीं.

सैफ ने की दूसरी शादी, अमृता ने नहीं बसाया घर: अमृता सिंह और सैफ अली खान के दो बच्चे हैं, जिनके नाम सारा अली खान और इब्राहिम अली खान हैं. साल 2004 में सैफ अली खान और अमृता सिंह का तलाक हो गया. इसके बाद साल 2012 में सैफ ने करीना कपूर से शादी कर ली. करीना सैफ से उम्र में 10 साल छोटी हैं. ऐसे में उनकी शादी ने भी खूब सुर्खिया बटोरीं. वहीं पति से अलग होने के बाद अमृता सिंह ने अब तक दूसरी बार शादी नहीं की.

मेट्रो बाजार

वित्तीय बाजारों में शैडो एआई का उदय, निवेशकों की चिंता बढ़ी

मुंबई, एजेंसी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधुनिक वित्त की आधारशिला बन गई है, जो अद्वितीय अंतर्दृष्टि और दक्षता प्रदान करती है। हालांकि, इसके लाभों के साथ-साथ, ‘शैडो एआई’ के उद्भव के बारे में चिंता बढ़ रही है, जो पारंपरिक निरीक्षण के बाहर काम करने वाले एआई सिस्टम को संदर्भित करता है। एआई का यह अनधिकृत या अनैतिक उपयोग वित्तीय बाजारों के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करता है, जिसमें साइबर सुरक्षा खतरे, बाजार में हेरफेर और गोपनीयता उल्लंघन शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि शैडो एआई गुप्त रूप से काम करता है, मानवीय हस्तक्षेप के बिना स्वायत्त निर्णय लेता है। इसके उपयोग से बाजार में अस्थिरता आ सकती है और वित्तीय संस्थानों में विश्वास कम हो सकता है। बैंकिंग ग्राहकों के लिए, इसका मतलब संभावित गोपनीयता उल्लंघन और सुरक्षा जोखिम है, क्योंकि उनका डेटा बिना सहमति के एकत्र और विश्लेषण किया जाता है। यह वित्तीय प्रभावों के बारे में भी चिंता पैदा करता है, क्योंकि एआई-संचालित रणनीतियों से बाजार में व्यवधान पैदा हो सकता है जिससे निवेश प्रभावित हो सकता है। इक्विटी बाजारों में शैडो एआई के निहितार्थ गहरे हैं। एआई-संचालित ट्रेडिंग एल्गोरिदम अस्थिरता को बढ़ा सकते हैं और बाजार में हेरफेर के लिए इसका फायदा उठाया जा सकता है। नियामकों को इन विकासों के साथ तालमेल बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि एआई का तेजी से विकास नियामक निरीक्षण से आगे निकल जाता है। पर्सनल फाइनेंस भी प्रभावित हो सकता है, एआई-संचालित उत्पाद संभावित रूप से पूर्वाग्रह प्रदर्शित करते है।

अब देश में तेजी से बढ़ रहा गेमिंग बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी। गेम डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस में भारत के पेवेलियन का उद्घाटन किया गया। साथ ही इस दौरान ‘इंडिया गेमिंग मार्केट रिपोर्ट’ भी जारी की गई। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का गेमिंग मार्केट 3.1 अरब डॉलर था, जिसके साल 2028 तक 6 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में गेम डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है। खास बात ये है कि पहली बार इसमें भारत का भी पेवेलियन है। यह भारत और अमेरिका के बढ़ते संबंधों को दिखाता है। यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम के सहयोग से गेम डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस में भारत के पेवेलियन का उद्घाटन किया गया है। फोरम के अध्यक्ष मुकेश अघी ने बताया कि भारत पेवेलियन का उद्घाटन भारत-अमेरिका के संबंधों में मील का पत्थर है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अभी ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर में एक लाख लोग काम करते हैं और आने वाले दशक में इस सेक्टर में ढाई लाख नौकरियां पैदा होने का अनुमान है। भारत में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 88 करोड़ थी, जिसके साल 2028 तक 1.2 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2024 में ऑनलाइन गेम खेलने वाले लोगों की संख्या करीब 56 करोड़ थी, जो 2028 तक बढ़कर 89 करोड़ हो जाएगी। भारत में साल 2015 में सिर्फ 25 गेमिंग कंपनियां थीं, जो साल 2024 में बढ़कर 1400 हो गई हैं। भारत में दुनिया में सबसे ज्यादा मोबाइल गेम एप डाउनलोड किए जाते हैं।

बायोमैट्रिक मिलान नहीं होने पर परीक्षक ने दी मिसरोद पुलिस को सूचना, पुलिस ने किया गिरफ्तार

कनिष्ठ सहायक भर्ती परीक्षा में पकड़ाया सॉल्वर, दूसरे के नाम से दे रहा था परीक्षा

पुलिस ने ली तीन दिन की रिमांड, दलाल और मुख्य परीक्षार्थी भी केन्द्र के बाहर थे मौजूद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद स्थित केंद्रीय विद्यालय में आयोजित कनिष्ठ सहायक (जेएसए) भर्ती परीक्षा में मुख्य अभ्यर्थी के स्थान पर फर्जी अभ्यर्थी को परीक्षा देते दबोचा गया। दरअसल, रविवार सुबह केंदीय विद्यालय बंगरसिया में परीक्षा चल रही थी। बायोमेट्रिक मिलान किया गया तो पता चला कि अभ्यर्थी की जगह कोई और परीक्षा दे रहा है। प्राचार्य की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहे फर्जी अभ्यर्थी (साल्वर) को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती पूछताछ में यह बात सामने आई कि साल्वर पटना का रहने वाला है और राजस्थान के अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देने आया था। पुलिस का कहना है कि परीक्षा देने के बाद रकम देना तय हुआ था। आरोपी को परीक्षा देने के लिए राजी करने वाला दलाल और मुख्य परीक्षार्थी घटना के समय परीक्षा केन्द्र के आसपास ही मौजूद थे। हालांकि जब उन्हें पता चला कि साल्वर पकड़ा गया है तो वह भाग निकले। पुलिस ने जालसाज को तीन दिन की रिमांड पर लिया है। उससे असली अभ्यर्थी और दलाल के बारे में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार केंद्रीय विद्यालय बंगरसिया मिसरोद में रविवार सुबह साढ़े 9 से साढ़े 11 बजे तक केंद्रीय विद्यालय की एलडीसी भर्ती परीक्षा (जेएसए) की परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा देने केन्द्र पर पहुंचे अभ्यर्थी बबलेश मीना के फिंगर प्रिंट समेत अन्य बायोमैट्रिक मिलान नहीं हुआ। संदेह होने पर सीबीएसई के पास उपलब्ध रिकार्ड से बायोमैट्रिक मिलान किया गया, लेकिन मिलान नहीं हुआ। इसकी सूचना सीबीएसई मुख्यालय में दी गई। अभ्यर्थी से आधार कार्ड व उसे लिंक मोबाइल नंबर व अन्य जानकारी मांगी गई। बबलेश मीना किसी भी जानकारी का संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। आधार कार्ड के माध्यम से बायोमैट्रिक सत्यापन कराने का प्रयास किया गया। परीक्षा केन्द्र अधीक्षक ने खुद अभ्यार्थी की सीट पर जाकर संपर्क किया।

उसे फोटो पहचान पत्र दिखाने का कहा तो वह केवल पेन कार्ड ही अपने साथ लाया था। परीक्षा होने के बाद साढ़े 11 बजे वीडियो कॉल के माध्यम से दौबारा बायोमैट्रिक सत्यापन का प्रयास किया गया, लेकिन जब आधार संख्या दर्ज करने का विकल्प आया तो जालसाज आधार नंबर और उससे लिंक मोबाइल नंबर नहीं बता सका। जालसाजी का विश्वास होने पर प्राचार्य ने मिसरोद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना नाम सोनू कुमार निवासी पटना बिहार बताया। पुलिस ने केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य एसके नामदेव की शिकायत पर धोखाधड़ी की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

परीक्षा देने के बाद मिलती रकम – आरोपी सोनू कुमार ने पुलिस को बताया कि जसवंत मीना नाम के दलाल के माध्यम से वह परीक्षा देने के लिए तैयार हुआ था। परीक्षा देने के बाद केंद्र से बाहर आते ही रकम दी जाती, पर उसे कितना पैसा मिलेगा यह नहीं बतााय गया था। एसआई चेतन गुप्ता ने बताय कि मुख्य अभ्यर्थी बबलेश मीना का डाटा चैक करने पर पता चला कि आरोपी सोनू कुमार और बबलेश मीना का चेहरा एक-दूसरे से काफी मिलता-जुलता है। दलाल जसवंत मीना और मुख्य परीक्षार्थी बबलेश मीना परीक्षा के समय केंद्र के आसपास ही मौजूद थे।

क्रेडिट कार्ड ब्लॉक करने का झांसा देकर की ठगी

भोपाल। साइबर क्राइम पुलिस ने क्रेडिट कार्ड ब्लॉक करने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के सरगना को उत्तम नगर दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी चार साल से अपनी लोकेशन बदल-बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दस हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था। उक्त प्रकरण में गिरोह के दो सदस्यों को साइबर क्राइम पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। चार साल से लोकेशन बदल-बदलकर पुलिस को दे रहा था चकमा, दो सदस्य की पूर्व में हो चुकी है गिरफ्तारी एडिशनल डीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि भोपाल निवासी डॉ. देवप्रिय शुक्ल गत 20 अगस्त 2020 में शिकायत कराई थी कि उसके पास अज्ञात नंबर से कॉल आया था। कॉलर ने खुद को भारतीय स्टेट बैंक का अधिकारी बताया और क्रेडिट कार्ड ब्लॉक करने की बात कही। कार्ड ब्लॉक न करने के नाम पर उसने क्रेडिट कार्ड की जानकारी मांगी और ओटीपी मांगकर 3 लाख 61 हजार 999 रुपए की धोखाधड़ी की।

दूसरे पति के साथ देख पहला पति भड़का, चेनल गेट में हाथ फंसाकर की मारपीट

पुलिस ने दर्ज की काउंटर एफआईआर, पति पत्नी और वह के बीच उलझी पुलिस, कर रही जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र में पंचवटी कॉलोनी में दूसरे पति के साथ पत्नी को देख पहले पति आगबगूला हो गया। आरोपी पत्नी के घर पहुंचा और उससे जमकर मारपीट की। पुलिस ने पत्नी की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। इसी प्रकार पति की शिकायत पर पुलिस ने पत्नी और उसके दूसरे पति पर मारपीट का मामला दर्ज किया है। पहले पति की दलील है कि उसकी पत्नी के साथ मौजूद सख्श उसका बॉयफ्रेंड है। पुलिस ने काउंटर पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार यशवंत बंसल (27) बी सेक्टर, बीएचएल, गोविंदपुरा में रहता है और लांबाखेड़ी सिथत महर्षि कालेज प्लंबर का काम करता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि एलिस रॉबिनसन से उसने प्रेम विवाह किया है। उसका साढ़े 3 साल का बेटा है। एलिस पंचवटी कोलोनी करोंद में बेटे के साथ अलग रह रही है।

युवती की मौत के बाद रिक्शा चालक पर केस दर्ज

भोपाल। बिलखिरिया इलाके में इलेक्ट्रिक रिक्शा पलटने से हुई एक युवती की मौत के मामले में पुलिस ने रिक्शा चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घटना करीब दस दिन पहले कंकाली मंदिर जाते समय हुई थी। जानकारी के अनुसार सोनाली अहिरवार पुत्री मर्दनसिंह अहिरवार (18) ग्राम आदमपुर छावनी पठार थाना बिलखिरिया की रहने वाली थी। बीती 12 अप्रैल को वह अपने परिवार वालों को साथ इलेक्ट्रिक रिक्शे में सवार होकर कंकाली मंदिर जा रही थी। ग्राम कोलुआ स्थित पुलिया के पास उक्त रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया था, जिससे सोनाली को गंभीर चोट आई थी। उसे इलाज के लिए आनंद नगर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 18 अप्रैल की शाम को उसकी मौत हो गई।

बाइक की टक्कर से महिला घायल

भोपाल। बिलखिरिया इलाके में सड़क किनारे खड़ी एक बाइक को पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर बैठी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने टक्कर मारने वाले वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार भूरियाबाई पत्नी श्रीराम सिंह (47) ग्राम गुदावल जिला रायसेन की रहने वाली हैं और घरेलू काम करती हैं। बीती बीस अप्रैल को भूरियाबाई अपने बेटे जितेंद्र के साथ एक रिश्तेदार के यहां आनंद नगर आई थी। रात को दोनों लोग वापस घर लौट रहे थे। रात करीब साढ़े नौ बजे जितेंद्र ने बिलखिरिया स्थित मंदिर के सामने सड़क किनारे अपनी बाइक रोकी तो मां पीछे बैठी रही। इसी दौरान भोपाल की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने सड़क किनारे खड़ी जितेंद्र की बाइक में टक्कर मार दी, जिससे पीछे बैठी मां भूरियाबाई गिरकर घायल हो गई। उनके हाथ-पैर और पीठे में गंभीर चोट आई। टक्कर मारने के बाद बाइक चालक वाहन लेकर मौके से भाग निकला। गंभीर रूप से घायल भूरियाबाई को इलाज के लिए पटेल नगर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ने बयान लेने के बाद टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बारहवीं के छात्र से मारपीट, हमला

भोपाल। अयोध्या नगर थाना क्षेत्र बोनी फाई स्कूल के छात्र के साथ मारपीट और नुकीली हथियार से हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि इंदर मणी सिंह मान उर्फ भान पिता स्व.मंजीत सिंह मान (19) न्यू मिनाल रेसीडेंसी में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि इसी साल उसने बोनी फाई स्कूल से 12वीं कक्षा की परीक्षा दी है। 19 अप्रैल की रात करीब साढ़े 9 बजे वह अपने दोस्त अनुज के साथ बाइक अपनी बाइक बैठा था। कुछ देर बाद दोनों वहां से जाने लगी, तभी सुभम निकम उर्फ बाबा, रितिक उर्फ ब्रगेडी अपने दोस्तों के साथ आया और पुरानी रंजिश को लेकर गालीगलौज करने लगे। गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने पास ही पड़ा डंडा उठाकर इंदर सिंह के साथ मारपीट की। वह जमीन पर गिर गया तो सुभम निकम उर्फ बाबा ने अपने पास रखी नुकीली चीज निकालकर हमला कर दिया। नुकली चीज उसके बाएं हाथ की कलाई के पास व दाहिने हाथ कि अंगूली पर लगी। बीच बचाव करने पर अनुज को भी मुंह के पास चोट आई है।

गर्लफ्रेंड का शौक पूरा करने बाइक से मोबाइल लूट

दो बदमाश गिरफ्तार, बड़े गिरोह की आशंका, अन्य की तलाश जारी

अपना खर्चा पूरा करने महंगे मोबाइल को टाई से तीन हजार रुपए में बेच देते थे झपटमार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा पुलिस ने इलाके में हो रही लगातार झपटमारी की वारदात के बाद दो झपटमारों को गिरफ्तार कर उनके पास से 25 मोबाइल जब्त किए है। इसके अलावा उनसे झपटमारी में इस्तेमाल की गई स्पोर्ट्स बाइक भी बरामद की है। गिरोह के पांच अन्य साथियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद और भी वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है। गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वह अपने और गर्लफ्रेंड के शौक पूरे करने मोबाइल लूटने की वारदात को अंजाम दे रहे थे। दोनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर ने बताया कि विगत 17 से 19 अप्रैल के बीच पुलिस को आईएसबीटी, करियर कॉलेज और करियर कॉलेज से 300 मीटर की दूरी पर स्थित मस्जिद से तीन मोबाइल झपटने की शिकायत मिली थी। पुलिस ने तीनों फरियादियों की शिकायत पर झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश की। घटनास्थल और आसपास करीब दो सो से अधिक सीसीटीवी कैमरे चेक किए और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। इस दौरान दो संदिग्धों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में संदिग्धों ने अपने नाम सोहेल खान (21) दुर्गा नगर एमपी नगर और नदीम खान (19) काजीकैंप, हनुमानगंज बताए। संदिग्धों ने अपने साथियों के साथ मिलकर मोबाइल झपटमारी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार लिया। पुलिस ने निशानदेही पर कुल 25 मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल होने वाली पल्सर बाइक बरामद की। बरामद मोबाइल की कीमत 8 लाख रुपए बताई जा रही है। फरार आरोपियों सिराज व आहद की तलाश की जा रही है।

ईरानी डेरे में बेचते थे मोबाइल – झपटमार गिरोह का टॉरगेट दिन में दो से तीन मोबाइल झपटने का होता था। झपटमारी में कामयाब होने पर आरोपी कीमती मोबाइल महज ढाई से तीन हजार रुपए में ईरानी डेरे में बेचकर अपना और अपनी गर्लफ्रेंड का शौक पूरा करते थे। गिरोह के पांच अन्य सदस्यों की पुलिस ने पहचान कर ली है। अब उनके ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। गैंग के सभी आरोपी दुर्गा नगर, आजाद नगर व काजीकैंप इलाके के हैं।

लोडेड पिस्टल के साथ बदमाश गिरफ्तार – गोविंदपुरा पुलिस ने बताया कि 20-21 अप्रैल की दरमियानी रात गश्त के दौरान शुक्रवारा मार्केट गोविंदपुरा के पास घूम रहे संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से देशी पिस्टल और कारतूस बरामद की गई। उसने अपना नाम यूसुफ पुत्र साबिर (20) निवासी चिकलोद रोड जहांगीराबाद का होना बताया।

जनरल स्टोर संचालिका के सूने मकान से जेवरात और नगदी हो गए चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित कजलीखेड़ा इलाके में जनरल स्टोर की संचालिका के सूने मकान से हजारों रुपए के जेवरात व दस हजार रुपए नगद चोरी हो गए। घटना के समय वह सपरिवार गांव चली गई थीं। पुलिस ने नकबजनी का प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक महावड़िया कजलीखेड़ा निवासी दिव्या दुबे पत्नी प्रवीण दुबे (33) कजलीखेड़ा बाजार में जनरल स्टोर का संचालन करती हैं। वह रोजाना सुबह दस बजे से रात आठ बजे तक दुकान में रहती हैं जबकि पति व 12 साल का बेटा हर्ष घर पर रहते हैं। विजय विश्वकर्मा अपनी पत्नी माया के साथ उनके मकान में पिछले आठ माह से किराए से रहते हैं। दिव्या दुबे ने बताया कि उनके मकान की चाबी सीढि?ों के नीचे रखी रहती हैं। इसकी जानकारी किराएदार को भी है। विगत 24 मार्च 2025 की सुबह नौ बजे रीवा के गांव जाने से पहले दिव्या ने विजय से बालकनी में रखा डिब्बा निकलवाया था।

उस समय डिब्बे में इस्तेमाली जेवरात व दस हजार रुपए नगद रखे थे। विगत 29 मार्च को वह गांव से लौट आई थी। फरियादिया ने बताया कि 19 अप्रैल की रात साढ़े नौ बजे नगद पैसों की जरूरत होने पर डिब्बा खोलकर देखा उसमें रखे जेवरात व नगदी गायब थी। रिपोर्ट दर्ज कराते हुए उन्होंने बताया कि कोई अज्ञात चोर सूने मकान में घुसकर नगदी व जेवरात चुरा ले गया।

मेट्रो एंकर सफर के दौरान कई यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी

ट्रेन में सवार युवक का मोबाइल फोन लूटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दक्षिण एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार एक युवक के हाथ से बदमाश मोबाइल फोन छीनकर भाग निकला। घटना के समय आउटर पर ट्रेन धीमी रफ्तार से चल रही थी। इधर सफर के दौरान कई अन्य यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी चले गए। जानकारी के अनुसार सरस्वती नगर, गंजबासौदा जिला विदिशा निवासी श्रीराम रघुवंशी (27) दक्षिण एक्सप्रेस के जनरल कोच में बैठकर गंजबासौदा की यात्रा कर रहा था। वह ट्रेन के गेट पर बैठा हुआ था। निशातपुरा स्टेशन के आगे ट्रेन गति पकड़ रही थी, तभी अज्ञात बदमाश ने झपट्टा मारकर उसके हाथ से मोबाइल फोन नीचे गिरा दिया और उठाकर भाग निकला। लूटे गए

मोबाइल की कीमत 18 हजार रुपए बताई गई है। इसी प्रकार लवकुश नगर जिला छतरपुर निवासी प्रेमलाल प्रजापति (22) महामना एक्सप्रेस से भोपाल आया था। भोपाल स्टेशन पर उतरने के बाद वह प्लेटफार्म क्रमांक 6 स्थित मुसाफिर खाने में जाकर सो गया। उसे अगले दिन पेपर देने जाना था। रात करीब डेढ़ बजे अचानक नींद खुली तो पता चला कि जेब में रखा वीवो कंपनी का मोबाइ चोरी हो चुका है। चोरी गए मोबाइल की कीमत 12 हजार रुपए बताई गई है। इधर, जबलपुर स्थित सिविल लाइन में रहने वाले विवेक कुमार (36) पिछले दिनों अपनी मां और भाई के साथ श्रीधाम एक्सप्रेस के एसी कोच में दिल्ली से जबलपुर की यात्रा कर रहे थे। सीट पर सोते समय उन्होंने अपना मोबाइल पैंट की जेब में रखा था। ट्रेन जब होशंगाबाद पहुंची तो पता चला कि पैंट की जेब में रखा 12 हजार रुपए कीमत का मोबाइल चोरी हो चुका है। ट्रेन में चढ़ाते समय चोरी हुआ मोबाइल भोपाल निवासी कालका प्रसाद अपने रिश्तेदारों को ट्रेन में बिठाने के लिए रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचे थे।

रिटायर्ड असिस्टेंट रजिस्ट्रार के सूने मकान से आठ लाख की चोरी

जेवरात के अलावा नगदी चुराकर ले गए चोर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित शहंशाह गार्डन में सेल टैक्स से रिटायर्ड असिस्टेंट रजिस्ट्रार के सूने मकान से अज्ञात बदमाश जेवरात नगदी समेत 8 लाख रुपए का सामान चुराकर ले गए। घटना के समय वह परिवार के साथ मां के अंतिम संस्कार में सांची जिला रायसेन गए थे। घटना की जानकारी उस समय लगी जब वह तीन दिन बाद सांची से भोपाल अपने घर पहुंचे। संदेही सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए हैं। अशोका गार्डन पुलिस संदेहियों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस के अनुसार शहंशाह

गार्डन कॉलोनी अशोका गार्डन निवासी 63 वर्षीय सुशील कुमार जैन मार्च 2024 में सेल टैक्स अदालत से असिस्टेंट रजिस्ट्रार पद से रिटायर्ड हुए हैं। उन्होंने बताया कि 17 अप्रैल को उनकी मां का निधन हो गया। अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए वह दोपहर 12 बजे अपने घर पर ताला लगाकर पैतृक गांव सांची, जिला रायसेन चले गए। 20 अप्रैल को रात साढ़े 8 बजे जब वह वापस अपने परिवार के साथ लौटे तो घर के गेट का ताला टूटा पड़ा मिला। अंदर जाकर देखा कि ग्राउंड फ्लोर व फर्स्ट फ्लोर में रखी अलमारी खुली हुई मिली। सामान बिखरा पड़ा हुआ था। सोने की हीरा जड़ी हुई 4 अंगूठी , दो जोड़ कान की झुमकी, दो जोड़ बाली, चांदी की 15 जोड़ पायल, एल्युमिनियम के गुलक मे रखे रुपए हुई करीब 45 हजार रुपए नगदी गायब मिली। रात तीन बजे नकाब पहना बदमाश घुसा जैन ने बताया कि उनकी भतीजी की शादी थी। ऐसे में 16 अप्रैल से घर में नहीं थे। सीसीटीवी फुटेज में आया कि 16 अप्रैल से ही बदमाश उनके घर की रैकी कर रहे थे। 18 की रात करीब 3 बजे नकाबपोश एक अज्ञात बदमाश उनके घर की बाउंड्री वाल कूदकर अंदर जाते हुए कैमरे में कैद हुआ है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022